सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

दो तथ्य हमारे व्यक्तित्व को परिभाषित करते हैं एक हमारा धीरज जब हमारे पार कुछ ना हो और दूसरा हमारा व्यवहार जब हमारे पास सब कुछ हो..!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–44 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 05 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

आंशिक चंद्र ग्रहण से पूर्णिमा की चमक तक -अद्भुत नजारा !

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई के नामचीन फोटो ग्राफर इमरान अहमद अंसारी ने तीन मार्च मंगलवार को चंद्रग्रहण की यह तस्वीर ली। तस्वीर साझा करते हुए इमरान ने बताया कि तस्वीर लेने के लिए मुझे काफी दिक्कत और मशक्कत करनी पड़ी एक पानी टंकी के ऊपर खड़े होकर यह फोटो लेना किसी चैलेंज से कम नहीं था वो भी ट्राइपॉड, कैमरा और बाकी एसेसरीज के साथ खैर दिक्कत मेरे लिए थी पर रिजल्ट आप लोगों के लिए इमरान का कहना है कि भिलाई, छत्तीसगढ़ में 3 मार्च 2026 समय: शाम लगभग 6:30 बजे 6:47 बजे आसमान में एक बेहद खूबसूरत खगोलीय दृश्य देखने को मिला — आंशिक चंद्र ग्रहण, जो धीरे-धीरे फिर से चमकती हुई पूर्णिमा में बदल गया जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है, तो उसकी छाया चंद्रमा पर पड़ती है–इसी कारण चंद्र ग्रहण होता है। कुछ पलों के लिए चांद हल्का अंधकारमय और रहस्यमयी दिखता है। फिर धीरे-धीरे अपनी पूरी रोशनी के साथ वापस चमकने लगता है। ऐसे पल हमें ब्रह्मांड की अद्भुत व्यवस्था और प्रकृति की खूबसूरती का एहसास कराते है।

विधायक रिकेश ने संभाली एंबुलेंस की कमान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भाजपा विधायक रिकेश सेन ने होली के पावन पर्व पर जनसेवा की एक नई मिसाल पेश की है। त्यौहार के दौरान होने वाली किसी भी अप्रिय घटना या मेडिकल इमरजेंसी से निपटने के लिए विधायक ने स्वयं वेंटिलेटर युक्त एंबुलेंस की कमान संभाली और क्षेत्र के सभी 37 वार्डों में निरंतर गश्त की।

सड़क पर उतरे 'सारथी' बनकर विधायक

विधायक रिकेश सेन ने वीआईपी कल्चर को किनारे रख खुद एंबुलेंस चलाई। उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि यदि किसी भी नागरिक को आपातकालीन चिकित्सा सहायता की आवश्यकता हो, तो उसे बिना विलंब उपचार मिल सके।

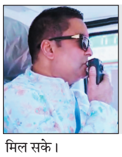

होली पर 37 वार्डों में खुद गश्त कर सुरक्षा और सेवा का दिया संदेश

जागरूकता और सुरक्षा पर जोर

गश्त के दौरान विधायक ने केवल एंबुलेंस ही नहीं चलाई, बल्कि माइक के माध्यम से जनता से संवाद भी किया। उन्होंने ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की। ट्रिपल राइडिंग करने वाले युवाओं को समझाइश दी। बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

"सड़क–नाली तक सीमित नहीं जनप्रतिनिधि का दायित्व"

इस पहल के बारे में चर्चा करते हुए सेन ने कहा कि मेरी होली तभी 'हैप्पी' होगी, जब क्षेत्र से किसी भी बड़ी दुर्घटना या अप्रिय घटना की खबर न आए। एक जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल सड़क और नाली बनवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने क्षेत्र की शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। विधायक की इस सक्रियता और संवेदनशीलता की पूरे भिलाई नगर और वैशाली नगर क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है। उनकी इस 'सेफ होली' मुहिम ने लोगों को जिम्मेदारी के साथ त्यौहार मनाने के लिए प्रेरित किया है।

त्वरित टिप्पणी

उथल-पुथल के दौर में भारत की विदेश नीति: संतुलन, साहस और स्पष्टता की कसौटी

आलोक तिवारी

दुनिया का सामरिक परिदृश्य एक बार फिर अस्थिरता के चरम पर दिख रहा है। रूस–यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की शांति को झकझोर रखा है। पश्चिम एशिया में इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने आग में घी का काम किया है, वहीं अमेरिका सहित पश्चिमी देशों की सक्रियता ने समीकरणों को और जटिल बना दिया है। एशिया भी अछूता नहीं—सीमा विवादों के कारण चीन के साथ तनाव बना रहता है, जबकि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुद्दा समय–समय पर उभरता रहा है। बांग्लादेश में राजनीतिक–सामाजिक अस्थिरता की आहट भी भारत के हितों से जुड़ी चिंताएं बढ़ाती है। ऐसे में वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव, ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितता और तेल कीमतों की आशंका ने आम नागरिक तक की चिंता बढ़ा दी है।

इस पृष्ठभूमि में भारत की भूमिका पर स्वाभाविक प्रश्न उठते हैं। ऐतिहासिक रूप से भारत को संतुलित, संवाद–समर्थ और शांति–उन्मुख राष्ट्र के रूप में देखा गया है। जवाहरलाल नेहरू के गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण से लेकर मनमोहन सिंह के दौर की आर्थिक–कूटनीतिक संयमशीलता तक, भारत ने कई बार जटिल परिस्थितियों में मापा–तौला रुख अपनाया। वतर्मान में नरेंद्र मोदी की सक्रिय वैश्विक यात्राओं और बहुपक्षीय मंचों पर उपस्थिति ने भारत की प्रोफाइल को ऊंचा किया है। प्रश्न यह नहीं कि भारत दिखता है या नहीं; प्रश्न यह है कि जब दुनिया में तनाव चरम पर हो, तब भारत की आवाज कितनी स्पष्ट और सुसंगत सुनाई देती है।

पश्चिम एशिया में हालिया घटनाक्रम—जिसमें ईरान से जुड़े शीर्ष नेतृत्व पर हमलों की खबरों ने भू–राजनीतिक तापमान बढ़ाया—ने नैतिक और रणनीतिक दोनों तरह की दुविधाएं पैदा की हैं। ऐसे क्षणों में बयान देना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सिद्धांत और हितों के संतुलन का संकेत होता है। भारत जैसे देश के लिए, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर है और जिसकी बड़ी प्रवासी आबादी खाड़ी क्षेत्र में काम करती है, हर शब्द का वजन होता है। इसलिए कभी–कभी 'संतुलित चुप्पी' भी एक रणनीति हो सकती है—परंतु अत्यधिक अस्पष्टता से संदेश का अभाव पैदा होता है।

इतिहास याद दिलाता है कि 30 दिसंबर 2006 को सद्दाम हुसैन को फांसी दिए जाने पर भारत ने निराशा और चिंता व्यक्त की थी। उस समय की सरकार पर 'नीतिगत जड़ता' के आरोप लगे, पर विदेश नीति के वक्तव्यों में सिद्धांत आधारित संवेदनशीलता दिखी। आज तुलना इसलिए उभरती है क्योंकि वैश्विक उथल–पुथल के बीच भारत से नैतिक–राजनीतिक स्पष्टता की अपेक्षा स्वाभाविक है। हालांकि एक तथ्य निर्विवाद है—संकट की घड़ी में भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए विशेष अभियानों का इतिहास रहा है, और वतर्मान तनावों के बीच भी फंसे नागरिकों को सुरक्षित लाने के प्रयास जारी हैं। यह मानवीय प्रतिबद्धता भारत की विदेश नीति की ठोस और सकारात्मक धुरी है।

आज की चुनौती यह है कि भारत अपने दीघर्कालिक हित— ऊर्जा सुरक्षा, सीमा–स्थिरता, आतंकवाद–रोधी सहयोग और वैश्विक आर्थिक संतुलन— को साधते हुए एक स्पष्ट, सिद्धांतनिष्ठ और व्यावहारिक दृष्टिकोण सामने रखे। विश्व शांति का अग्रदूत कहलाने का अर्थ केवल मध्यस्थता की इच्छा नहीं, बल्कि समय पर संतुलित और साहसी वक्तव्य भी है। दुनिया जब अनिश्चितता के दौर से गुजर रही हो, तब भारत की आवाज—संयमित पर स्पष्ट—ही उसकी वास्तविक कूटनीतिक पूंजी है।

राज्यसभा के लिए भाजपा-कांग्रेस ने खोले पत्ते
छग में ओबीसी बनाम आदिवासी संतुलन की जंग

अखिलेश सिंह बंटी/ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजनीति में राज्यसभा चुनाव ने सामाजिक और संगठनात्मक समीकरणों को फिर केंद्र में ला दिया है। दो सीटों पर होने वाले चुनाव में एक सीट भारतीय जनता पार्टी और एक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के खाते में जाना लगभग तय माना जा रहा है। लेकिन असली मुकाबला प्रतीकों और संदेशों का है—जहां भाजपा ने ओबीसी कार्ड खेला है, वहीं कांग्रेस ने आदिवासी नेतृत्व पर दांव लगाया है।

कांग्रेस ने दोबारा जताया भरोसा

कांग्रेस ने वरिष्ठ आदिवासी नेता फूलो देवी नेताम को एक बार फिर राज्यसभा के लिए उम्मीदवार घोषित कर स्पष्ट संकेत दिया है कि पार्टी सामाजिक प्रतिनिधित्व और अनुभव को प्राथमिकता दे रही है। नेताम का कायर्काल पूरा होने वाला है, और दोबारा नामांकन को संगठनात्मक संतुलन के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ की राजनीति का केंद्रीय स्तंभ है। ऐसे में कांग्रेस ने आगामी चुनावी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश की है।

भाजपा का ओबीसी दांव

दूसरी ओर भाजपा ने चौंकाते हुए लक्ष्मी वर्मा को प्रत्याशी घोषित किया है। वे वर्तमान में छत्तीसगढ़ महिला आयोग की सदस्य हैं और संगठन से जुड़ी पृष्ठभूमि रखती हैं। भाजपा महिला मोर्चा से सक्रिय राजनीति शुरू कर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तक का सफर तय करने वाली लक्ष्मी वर्मा का चयन इस बात का संकेत है कि पार्टी ने जमीनी कार्यकर्ता को तरजीह दी है।

ओबीसी वर्ग से आने वाली लक्ष्मी वर्मा के जरिए भाजपा ने सामाजिक संतुलन साधने का प्रयास किया है। प्रदेश की सामाजिक संरचना में ओबीसी मतदाताओं की भूमिका निर्णायक मानी जाती है। ऐसे में यह चयन राजनीतिक रूप से रणनीतिक माना जा रहा है।

बदलेगा राज्यसभा का समीकरण

ये सीटें फूलो देवी नेताम और वरिष्ठ अधिवक्ता–राजनेता केटीएस तुलसी का कायर्काल समाप्त होने से रिक्त हुई हैं। अभी तक प्रदेश की पांच राज्यसभा सीटों में चार कांग्रेस और एक भाजपा के पास थीं। लेकिन विधानसभा में बदले संख्या बल के चलते भाजपा की एक सीट बढ़ना तय माना जा रहा है, जिससे संतुलन बदल सकता है।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की ओर से रंजीता रंजन और राजीव शुक्ला तथा भाजपा की ओर से देवेंद्र प्रताप सिंह राज्यसभा में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

वतर्मान संकेत : दोनों सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन की संभावना प्रबल

राज्यसभा चुनाव भले ही प्रत्यक्ष जनमत से नहीं होते, लेकिन इनके जरिए राजनीतिक दल अपने सामाजिक और संगठनात्मक संदेश स्पष्ट करते हैं। छत्तीसगढ़ में इस बार मुकाबले से अधिक सहमति की तस्वीर उभरती दिख रही है—अब अंतिम मुहर नामांकन प्रक्रिया के बाद लगेगी।

राजनीतिक संदेश क्या है?

राज्यसभा चुनाव प्रत्यक्ष जनता के वोट से नहीं होते, लेकिन इनका राजनीतिक संदेश व्यापक होता है। भाजपा ने संगठन आधारित राजनीति और ओबीसी प्रतिनिधित्व का संदेश दिया है, वहीं कांग्रेस ने आदिवासी नेतृत्व को दोबारा आगे कर सामाजिक प्रतिबद्धता का संकेत दिया है।

स्पष्ट है कि यह चुनाव केवल संसदीय सीटों का गणित नहीं, बल्कि सामाजिक समीकरणों की बिसात है। भाजपा और कांग्रेस—दोनों ने अपने–अपने पत्ते खोल दिए हैं। अब देखना यह है कि यह दांव आने वाले समय में प्रदेश की राजनीति की दिशा किस ओर मोड़ता है।

दो सीटें, दो नाम—निर्विरोध निर्वाचन के आसार प्रबल

छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो सीटें रिक्त होने के बाद राजनीतिक हलचल तेज थी, लेकिन अब तस्वीर लगभग साफ होती दिख रही है। विधानसभा में संख्या बल के आधार पर एक–एक सीट भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के खाते में जानी है। दोनों दलों ने 4 मार्च की रात साढ़े 10 बजे तक एक–एक प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं, जिससे निर्विरोध निर्वाचन के प्रबल संकेत मिल रहे हैं।

भाजपा ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने वरिष्ठ आदिवासी नेता फूलोदेवी नेताम पर दोबारा भरोसा जताया है। दोनों प्रत्याशी गुरुवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा में अपना नामांकन दाखिल करेंगे, क्योंकि नामांकन की अंतिम तिथि वही है।

राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि अब तक जो संकेत मिले हैं, उनके अनुसार दोनों ही दलों की ओर से केवल अधिकृत प्रत्याशी ही पर्चा दाखिल करेंगे। यदि ऐसा हुआ और कोई अन्य वैध नामांकन सामने नहीं आया, तो दोनों सीटों पर निविरोध निर्वाचन तय हो जाएगा।

हालांकि प्रक्रिया की दृष्टि से स्थिति पूरी तरह स्पष्ट तभी होगी, जब नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की समयसीमा पूरी हो जाएगी। यदि एक भी अतिरिक्त नामांकन दाखिल हुआ, वह वैध पाया गया और वापस नहीं लिया गया, तो चुनाव की स्थिति बनेगी। ऐसी दशा में 16 मार्च को विधानसभा में मतदान होगा और विधायक राज्यसभा सांसदों का चुनाव करेंगे।

फिलहाल दोनों दलों के भीतर से जो संकेत मिल रहे हैं, वे निविरीध निर्वाचन की दिशा में ही इशारा कर रहे हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह छत्तीसगढ़ की राजनीति में सहमति आधारित चुनाव का उदाहरण भी माना जाएगा।

चुनावी गणित और प्रक्रिया

कुल रिक्त सीटें: 2
संभावित बंटवारा: 1 भाजपा, 1 कांग्रेस
भाजपा प्रत्याशी: लक्ष्मी वर्मा
कांग्रेस प्रत्याशी: फूलोदेवी नेताम
नामांकन की अंतिम तिथि: गुरुवार
यदि अतिरिक्त वैध नामांकन हुआ: 16 मार्च को मतदान

सरकार के निर्णय का स्वागत | शासन द्वारा जमीन के रेट में सर्वाधिक कमी दुर्ग में होने पर जमीन व्यापारियों ने मंत्री गजेन्द्र यादव का जताया आभार

जमीनों के शासकीय मूल्यों में जनहितैषी संशोधन पर मुख्यमंत्री का अभिनंदन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आम नागरिकों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जमीनों के शासकीय मूल्यों में जनहितैषी संशोधन का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। जिस पर जमीन कारोबारियों द्वारा मंत्री गजेन्द्र यादव के नेतृत्व में दुर्ग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का अभिनंदन कर आभार जताये और बताया की सरकार के इस निर्णय से प्रदेशभर में आम जनता, किसान, मध्यमवर्गीय परिवारों तथा व्यवसायिक वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी।

सरकार द्वारा किये गये संशोधन में दुर्ग में जमीन की दर 25 से 40 प्रतिशत कम किया गया है इस सराहनीय पहल के लिए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव का भी आभार जताये जिनके सतत प्रयासों और जनभावनाओं के अनुरूप सकारात्मक पहल से यह निर्णय संभव हो सका।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की दुर्ग जिले में जमीन का सर्वाधिक सकारात्मक संशोधन करते हुए शासन ने विकास की नई दिशा प्रदान की है। शासकीय मूल्यों में व्यावहारिक एवं संतुलित सुधार से अब भूमि क्रय–विक्रय की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सुलभ एवं जनअनुकूल होगी। इससे न केवल आम नागरिकों को आर्थिक राहत मिलेगी, बल्कि रियल एस्टेट क्षेत्र, निर्माण कार्यों तथा स्थानीय व्यापार को भी गति प्राप्त होगी। यह निर्णय प्रदेश में निवेश के वातावरण को सुदृढ़ करने के साथ–साथ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संतुलित विकास को बढ़ावा देगा। विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आवास निर्माण का सपना साकार करने में यह संशोधन सहायक सिद्ध होगा।

दुर्ग जिले के जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, कार्यकर्त्ताओ एवं जमीन व्यापारीयों ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के राजनांदगांव प्रयास के दौरान दुर्ग में बाईपास टोलप्लाजा के पास उनका स्वागत अभिनंदन किये और आभार जताये साथ ही छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री एवं शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि प्रदेश सरकार आगे भी जनहित में ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय लेती रहेगी।

दुर्ग में सर्वाधिक 25 से 40 प्रतिशत तक कमी

जमीन व्यापारीयों ने बताया की शासन द्वारा किए गए संशोधन के अंतर्गत दुर्ग जिले में जमीन के शासकीय मूल्यों में 25 से 40 प्रतिशत तक की कमी की गई है, जो प्रदेश में सर्वाधिक है। उन्होंने इस सराहनीय पहल के लिए केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सतत प्रयासों, निरंतर संवाद एवं जनभावनाओं को शासन तक प्रभावी रूप से पहुँचाने के परिणामस्वरूप यह सकारात्मक निर्णय संभव हो सका है। शासन के इस निर्णय से आम नागरिकों को आर्थिक राहत मिलने के साथ–साथ रियल एस्टेट क्षेत्र और निर्माण कार्यों को नई गति मिलेगी। स्थानीय व्यापार, रोजगार और निवेश के अवसरों में वृद्धि होगी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संतुलित और योजनाबद्ध विकास को बढ़ावा मिलेगा।

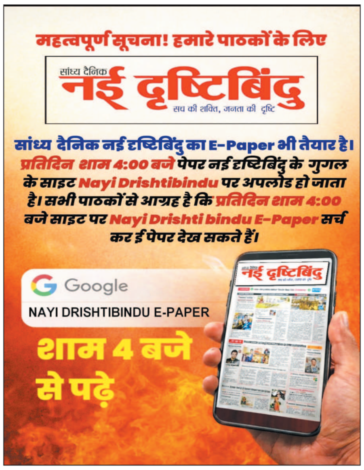

संकल्प बजट प्रदेश के समावेशी विकास का आधार – विधायक ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

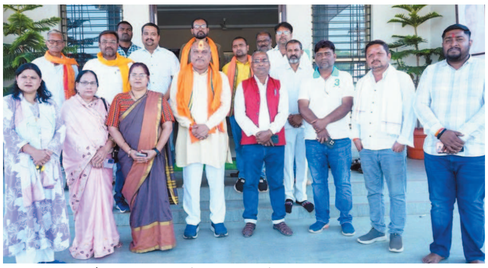

छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने खैरागढ़ स्थित जिला भाजपा कार्यालय में राज्य बजट 2026-27 को लेकर प्रेसवार्ता आयोजित की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनता के हित में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और वित्तीय वर्ष 2026-27 का संकल्प बजट प्रदेश के समग्र विकास का रोडमैप है।

उन्होंने बताया कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत यह सरकार का तीसरा बजट है। राज्य सरकार का पहला बजट ज्ञानऔर दूसरा गति थीम पर आधारित था, जबकि इस वर्ष की थीम संकल्प रखी गई है। यह बजट यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना के अनुरूप तैयार किया गया है।

चंद्राकर ने बताया कि सरकार मिशन मोड में कार्य कर रही है और इसके तहत पांच मुख्यमंत्री मिशन बनाए गए हैं – मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन, मुख्यमंत्री एआई मिशन, मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन, मुख्यमंत्री स्टार्टअप मिशन तथा मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन। इन मिशनों के माध्यम से प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी।

उन्होंने जानकारी दी कि स्कूल शिक्षा के लिए 13.5 प्रतिशत का सर्वाधिक बजट प्रावधान किया गया है। बस्तर के अबूझमाड़ और जगरगुंडा में दो एजुकेशन सिटी स्थापित की जाएंगी। शासकीय अधिकारी-कमर्चारियों के लिए कैशलेस उपचार की व्यवस्था हेतु भी बजट प्रावधान किया गया है। होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

कुनकुरी, मनेन्द्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा एवं दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज संचालन, जगदलपुर-अंबिकापुर में हवाई सेवाओं के विस्तार, अंदरूनी क्षेत्रों में मुख्यमंत्री बस सेवा तथा बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक्स के आयोजन के लिए भी बजट में राशि निर्धारित की गई है। भर्ती प्रक्रिया को गति देने हेतु व्यापम की दक्षता बढ़ाने के प्रावधान किए गए हैं।

युवाओं के शैक्षणिक भ्रमण के लिए छत्तीसगढ़ युवा दर्शन योजना प्रारंभ की जाएगी। साथ ही लखपति दीदियों के भ्रमण हेतु भी बजट में प्रावधान रखा गया है।

औद्योगिक विकास के तहत 23 नवीन औद्योगिक पार्कों की स्थापना के लिए 250 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। शहरी विकास को मजबूती देने के लिए मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना हेतु 200 करोड़ रुपये तथा भूमि विकास बैंक के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश को धान का कटोरा कहा जाता है और कृषि क्षेत्र के लिए 13,500 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। सरकार 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी के अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान कर रही है तथा आगे भी इसके लिए बजट में प्रावधान रखा गया है।

बस्तर और सरगुजा के विकास को प्राथमिकता देते हुए खाद्य, कृषि एवं संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बकरी पालन, सूअर पालन और मधुमक्खी पालन जैसे उद्यमों के लिए भी विशेष बजट प्रावधान किया गया है।

इंद्रावती नदी में देवरगांव एवं मटनार बराज निर्माण के लिए 2000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का प्रावधान किया गया है, जिससे बस्तर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा। माओवादी आतंकवाद के दमन में बस्तर फाइटर की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि 1500 नई भर्तियां की जाएंगी, जिसके लिए बजट में प्रावधान रखा गया है।

चंद्राकर ने बजट को प्रदेश की समृद्धि और विकास का संकल्प बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के प्रति प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. बिशेषर साहू, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष घम्मन साहू, गिरजा चंद्राकर, शशांक ताम्रकार, खम्हन ताम्रकार, उमा चौबे, आयश सिंह, आलोक श्रीवास, भावेश कोचर, दिनेश वर्मा, गोरेलाल वर्मा, नरेश कुर्रे, मुकेश वर्मा, गणेश वर्मा, देवकुमार सेन सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खास खबर

डिजिटल कनेक्टिविटी बनेगी विकसित छत्तीसगढ़ की नई जीवनरेखा– सीएम साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ को डिजिटल आधारभूत संरचना के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। भारत सरकार के संचार मंत्रालय द्वारा संशोधित भारतनेट प्रोग्राम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के लिए 3,942 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत छत्तीसगढ़ के 11,682 ग्राम पंचायतों को रिंग टोपोलॉजी के माध्यम से जोड़ा जाएगा। रिंग टोपोलॉजी आधारित यह नेटवर्क संरचना अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित और निर्बाध डिजिटल सेवाएँ उपलब्ध कराने में सक्षम होगी। मुख्यमंत्री साय विष्णु देव साय ने कहा कि यह परियोजना ग्रामीण डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे ई-गवर्नेंस सेवाओं का विस्तार होगा, ऑनलाइन शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी, टेलीमेडिसिन के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँच सकेंगी तथा ग्रामीण युवाओं और उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल कनेक्टिविटी केवल इंटरनेट सुविधा नहीं है, बल्कि यह विकसित छत्तीसगढ़ की नई जीवनरेखा है। इससे शासन की पारदर्शिता बढ़ेगी, सेवाओं की उपलब्धता तेज होगी और गांवों को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा सकेगा। मुख्यमंत्री साय ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ डिजिटल रूप से सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

होली पर नशीली दवाओं के नेटवर्क पर पुलिस का प्रहार 580 प्रतिबंधित टेबलेट के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। होली त्यौहार को शांतिपूर्ण और सौहादर्पूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से राजनांदगांव पुलिस द्वारा अवैध नशीले पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो त्यौहार के दौरान नशीली गोलियां खपाने की फिराक में थे।

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत, 3 मार्च को मुखबिर से सूचना मिली कि सीआईटी बाईपास लखोली रोड के पास दो युवक संदिग्ध रूप से नशीली टेबलेट बेचने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए चौकी चिखली पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश दी और घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान आदिल अहमद सिद्धिकी (24 वर्ष) निवासी शिक्षक कॉलोनी, गौरीनगर। इसके कब्जे से 100 नग Nitromec-10 (Nitrazepam) टेबलेट बरामद की गई। नितेश पाण्डे (26 वर्ष) निवासी स्टेशनपारा, चिखली। इसके कब्जे से 480 नग Alprazolam (ALPHA 0.5) टेबलेट जब्त की गई।

पुलिस ने कुल 580 नशीली टेबलेट (कीमत लगभग 2,560 रुपये) जब्त की है। पुलिस के अनुसार, इन आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है, जिसमें मारपीट और छेड़छाड़ जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध NDPS एक्ट की धारा 21(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से आदेशानुसार उन्हें जेल भेज दिया गया है।

भिलाई की बदलेगी सूरत : वैशाली नगर को 300 करोड़ की सौगात

विधायक रिकेश के प्रयासों से धरातल पर उतरेंगे विकास के बड़े प्रोजेक्ट्स

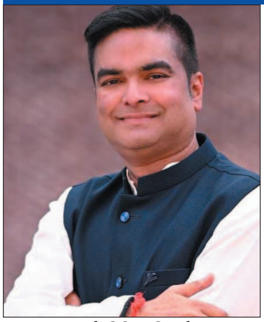

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार द्वारा प्रस्तुत नवीन बजट 2026-27 वैशाली नगर विधानसभा के लिए प्रगति के नए द्वार खोलने वाला साबित हुआ है। विधायक रिकेश सेन की सक्रियता और जनसेवार्थ विजन के फलस्वरूप वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 300 करोड़ के महत्वपूर्ण विकास कार्यों को बजट में शामिल किया गया है। इस भारी-भरकम राशि से न केवल क्षेत्र का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा, बल्कि भिलाईवासियों को यातायात के दबाव से मुक्ति और सुगम आवागमन की सौगात मिलेगी।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति : तीन नए फ्लाईओवर को मंजूरी

विधायक रिकेश सेन की विशेष पहल पर शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए तीन बड़े फ्लाईओवर के निर्माण को बजट में स्थान दिया गया है।

आपको बता दें कि गदा चौक से सुपेला चौक तक फ्लाईओवर, बघवा मंदिर से कर्मा चौक तक फ्लाईओवर, केपीएस अग्रसेन चौक से नेहरू नगर चौक तक फ्लाईओवर के निर्माण को बजट में शामिल किया गया है। इन ओवरब्रिजों के निर्माण से वैशाली नगर की लाइफलाइन कही जाने वाली सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होगा और घंटों के जाम से जनता को स्थायी राहत मिलेगी।

कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

विधायक रिकेश सेन के प्रयास से बजट में शामिल अन्य प्रमुख कार्यों में सड़कों का चौड़ीकरण और नई सड़कों का जाल बिछाना शामिल है जो क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देंगे।

एमआर 9 मार्ग (4 लेन)

जुनवानी अवंती बाई चौक से छावनी चौक तक 9 किमी सड़क का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, जुनवानी-कोहका कुरूद मार्ग एवं कोसानाला से कुटेलाभाठा मार्ग का नवनिर्माण होगा।

आंतरिक कनेक्टिविटी

जुनवानी-कोहका मार्ग से साकेत नगर, कुरूद बस्ती और सुंदर विहार कॉलोनी तक सड़क निर्माण अत्यंत आवश्यक रहा है।

स्ट्रीट लाइट प्रोजेक्ट

वैशाली नगर विधानसभा में जेवरा सिरसा से खपरी, कोहका एवं सूर्या मॉल मार्ग सहित अनेक प्रमुख मार्ग आधुनिक लाइटों से जगमगाएंगे।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि हमारा लक्ष्य वैशाली नगर को एक आदर्श विधानसभा बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव सायजी के नेतृत्व में 'सुशासन' का यह बजट भिलाई की जनता की आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाला है। वैशाली नगर विधानसभा में 300 करोड़ के ये कार्य केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि विकसित भिलाई के संकल्प को मूतर्रूप देने की दिशा में बढ़ाए गए मजबूत कदम हैं।

जनसेवार्थ निरंतर प्रयास

विधायक रिकेश सेन द्वारा विधानसभा की बुनियादी समस्याओं को शासन के समक्ष प्रखरता से रखने के कारण ही इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। यह बजट दर्शाता है कि विधायक के नेतृत्व में वैशाली नगर की जनता के लिए 'बेहतर भिलाई-सुगम भिलाई' का सपना अब हकीकत बनने जा रहा है। इन कार्यों के प्रारंभ होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

राजहरा माइंस अस्पताल में 21वां एक दिवसीय व्यापक स्वास्थ्य शिविर, 600 अधिक मरीजों को दिया गया परामर्श

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस चिकित्सालय में 21वां एक दिवसीय निःशुल्क व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के वरिष्ठ चिकित्सकों और विशेषज्ञों ने स्थानीय समुदाय को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। इस पहल का उद्देश्य चिकित्सकीय परामर्श के साथ, स्थानीय समुदाय की चिकित्सा संबंधी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विशेषज्ञों की एक विस्तृत श्रृंखला को सुनिश्चित करना है। एक दिवसीय शिविर में 600 से अधिक परामर्श प्रदान किए गए, विभिन्न नैदानिक जांच और उपचार के साथ 10 इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन तथा 05 प्लास्टर लगाए गए, जिससे स्थानीय समुदाय को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर ने इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर हेतु संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग की टीम का नेतृत्व किया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. चंदन दास (कार्डियोलॉजी), डॉ. प्रमोद बिनायके (मेडिसिन), डॉ. रुचिर भटनागर (नेत्र रोग), डॉ. तनुजा आनंद (पेन मैनेजमेंट क्लिनिक), डॉ. इमैनुएल मैसी (अस्थि रोग), डॉ. कौशिक किशोर (पीडियाट्रिक), डॉ. प्राची मेने (ईएनटी), डॉ. प्रभदीप कौर (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डॉ. वनिता शर्मा (दंत रोग), डॉ. धीरज शर्मा (जनरल सर्जरी), डॉ. शशांक अग्रवाल (चर्म रोग), सुश्री सुनीता साहू (जूनियर मैनेजर), विकास पांडे (फिजियोथेरेपी), डीएनबी डॉ. रेहान (अस्थि रोग), डीएनबी डॉ. अन्नपूर्णा (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डीएनबी डॉ. अनुज पवार (नेत्र रोग), डीएनबी डॉ. कृतिका साहा (मेडिसिन), डीएनबी डॉ. प्रांशु (ईएनटी) तथा जूनियर एमटी कलोल मैती सहित जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र, सेक्टर-9, भिलाई के सहायक अधिकारियों एवं कामिर्को ने अपनी सेवाएं प्रदान की। इसके अतिरिक्त राजहरा माइंस अस्पताल की टीम ने भी शिविर के सफल आयोजन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मरीजों को विभिन्न बीमारियों और चिकित्सा-स्वास्थ्य समस्याओं के लिए परामर्श, नैदानिक परीक्षण और उपचार प्रदान किए गए। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने पुरे दिन स्थानीय समुदाय को आवश्यक चिकित्सकीय सेवा प्रदान करने का समग्र प्रयास किया। साथ ही स्वास्थ्य सम्बन्धी सत्र भी आयोजित किए गए, जहां मरीजों को विभिन्न निवारक उपायों और जीवन शैली अपनाने के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस चिकित्सालय में एक दिवसीय निःशुल्क व्यापक स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशलेंद्र ठाकुर एवं डॉ उदय कुमार के मार्गदर्शन में तथा राजहरा माइंस के मुख्य महाप्रबंधक आर बी गहरवार, एचआर अधिकारी तुषार राय चौधरी सहित राजहरा माइंस अस्पताल के कर्मचारियों के सहयोग से किया गया।

इंडिया स्किल 2025-26 में छग को मिली ऐतिहासिक सफलता

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

युवाओं की प्रतिभा, तकनीकी दक्षता एवं नवाचार क्षमता को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार का कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2025-26 में छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं ने ईस्ट जोन रीजनल प्रतियोगिता में 12 पदक और 04 मेडल ऑफ एक्सीलेंस अर्जित कर उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है। यह प्रतियोगिता क्रमशः चार चरणों में जिला, राज्य, रीजनल एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को वर्ल्ड स्किल्स इंटरनेशनल के अंतर्गत भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। राज्य सरकार कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए आधुनिक प्रशिक्षण, नवाचार और उद्योगोन्मुख पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दे रही है। यह सफलता सशक्त युवा, समृद्ध छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ईस्ट जोन की रीजनल प्रतियोगिता का समापन 02 मार्च 2026 को भुवनेश्वर में हुआ, जिसमें ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ एवं अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने 59 कौशल श्रेणियों में भाग लिया। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक एवं 04 मेडल ऑफ एक्सीलेंस सम्मान अर्जित किए, जिनमें 01 स्वर्ण, 02 रजत, 05 कांस्य पदक तथा 04 मेडल ऑफ एक्सीलेंस शामिल हैं।

डिजिटल इंटरैक्टिव मीडिया में सुनील कुमार पैतल ने स्वर्ण पदक, 3डी डिजिटल गेम आर्ट में खुशांक नायक, सीएनसी मिलिंग में पुष्कर सोनबर एवं सीएनसी टर्निंग में आत्माराम ने रजत पदक अर्जित कर राज्य को गौरवान्वित किया। इसी तरह सीएनसी मिलिंग में निखिल, इलेक्ट्रॉनिक्स में अभिषेक कुमार, प्लंबिंग एवं हीटिंग में रेशमान, वेब टेक्नोलॉजी में सतेंद्र कुमार ने कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया।

निगम आयुक्त ने किया जोन-2 के विकास कार्यो का निरीक्षण

कुरूद और गोकुल नगर क्षेत्र में निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-02 क्षेत्र का सघन दौरा कर शासन द्वारा स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यो के प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बायोगैस प्लांट, पूर्व निर्मित शेड, नवीन सड़क और सामुदायिक भवन के निर्माण कार्यो की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों व एजेंसियों को कार्य अविलंब प्रारंभ कर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए।

आयुक्त ने वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत कुरूद बस्ती से गोकुल नगर तक स्वीकृत सड़क स्थल का मुआयना किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुसार जनहित के कार्यों में देरी न की जाए, ताकि स्थानीय नागरिकों को आवागमन में शीघ्र सुगमता प्राप्त हो सके। बायोगैस प्लांट एवं शेड निर्माण हेतु चिन्हित स्थल का अवलोकन करते हुए उन्होंने निर्माण एजेंसी को तत्काल कार्य शुरू करने के लिए निर्देशित किया।

सामुदायिक भवन कुरूद बाजार क्षेत्र में स्वीकृत नवीन सामुदायिक भवन के स्थल का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने कहा कि इस भवन के बनने से क्षेत्र के नागरिकों को सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा। "विकास कार्यो का लाभ जनता को समय पर मिलना अनिवार्य है। निर्माण में गति और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।" — राजीव कुमार पाण्डेय, आयुक्त, नपा निगम भिलाई

इस अवसर पर मुख्य रूप से जोन आयुक्त येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, उप अभियंता श्वेता वर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी प्रशन्न तिवारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर सहानी एवं जोन स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह सहित निगम के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लक्ष्मी वर्मा ने विधानसभा में राज्यसभा चुनाव के लिए किया नामांकन दाखिल

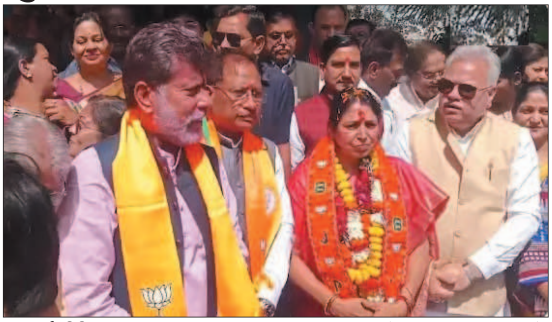

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बीजेपी से उम्मीदवार लक्ष्मी वर्मा ने छग विधानसभा में राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल की। सीएम साय इस दौरान मौजूद रहे। बता दें कि छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के लिए वतर्मान में 5 सदस्य प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनमें 2 सांसदों का कायर्काल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है, जबकि 2 सदस्यों का कार्यकाल 2028 और 2030 तक जारी रहेगा।

9 अप्रैल 2026 तक कायर्काल वाले सांसदों में फूलोदेवी नेताम और केटीएस तुलसी शामिल हैं। यह दोनों कांग्रेस पार्टी से हैं। इसके अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन का कायर्काल 29 जून 2028 तक है। वहीं भाजपा से देवेन्द्र प्रताप सिंह का कायर्काल 2 अप्रैल 2030 तक निर्धारित है।

मुख्यमंत्री निवास में होली के रंगों की बौछार : विष्णु देव साय ने अधिकारियों-कर्मचारियों संग खेली होली

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पूरे उत्साह और उमंग के साथ होली का पर्व मनाया। पारंपरिक फाग गीतों और हर्षोल्लास के वातावरण में रंग और उल्लास से सराबोर इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं। अधिकारियों और कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को गुलाल लगाकर उन्हें बधाई दी, वहीं मुख्यमंत्री श्री साय ने भी आत्मीयता के साथ सभी को गुलाल लगाकर रंगोत्सव की शुभकामनाएँ दीं और स्नेह, विश्वास तथा आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व समाज में एकता, भाईचारे और सकारात्मकता की भावना को सुदृढ़ करता है तथा जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के पर्व हमें आपसी मतभेद भुलाकर मिल-जुलकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होली मिलन समारोह में सभी से आत्मीय भेंट कर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, साथियों और प्रदेशवासियों के साथ स्नेह, विश्वास और अपनत्व के रंग साझा करना इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों का स्नेह और आशीर्वाद ही जनसेवा के उनके संकल्प को और अधिक सशक्त बनाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए सभी को होली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि रंगों का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और नई ऊर्जा का संचार करे तथा हमारा छत्तीसगढ़ निरंतर विकास और खुशहाली के नए आयाम स्थापित करता रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अमित कुमार, रायपुर के पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला सहित मुख्यमंत्री सचिवालय एवं निवास कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में धूमधाम से मनी होली, दुर्ग जिले में शांति और सौहार्द की मिसाल

रंगों और उमंग का पर्व होली इस वर्ष पूरे छत्तीसगढ़ में पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर से लेकर गांव तक रंग, गुलाल और खुशियों का माहौल दिखाई दिया। लोगों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। दुर्ग जिले में होली का त्योहार इस बार विशेष रूप से शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रहा। इसके पीछे जिला पुलिस की सख्त और सतर्क व्यवस्था को अहम माना जा रहा है। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देश पर पूरे जिले में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, लगातार पेट्रोलिंग और निगरानी के चलते कहीं भी किसी तरह की अप्रिय घटना की खबर सामने नहीं आई।

विधायक भी उतरे मैदान में

होली के दिन जनप्रतिनिधि भी सक्रिय दिखाई दिए। वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था के बीच क्षेत्र में लगातार भ्रमण करते रहे। खास बात यह रही कि वे 'रिकेश एम्बुलेंस' के साथ क्षेत्र में घूमते हुए लोगों से मुलाकात करते रहे और नागरिकों से शांति, भाईचारे और संयम के साथ त्योहार मनाने की अपील करते रहे। उनकी इस पहल को क्षेत्र के लोगों ने सराहा और इसे जनप्रतिनिधि की संवेदनशीलता से जोड़कर देखा।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के सेवा सदन कार्यालय में होली मिलन समारोह की धूम

गजेन्द्र यादव के दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र स्थित सेवा सदन कार्यालय में आज होली मिलन समारोह बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया जा रहा है । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी पहुंच रहे है। होली मिलन समारोह के दौरान लोगों में अपने लोकप्रिय विधायक को रंग-गुलाल लगाने का विशेष उत्साह देखने उत्साह नजर आ रहा है । ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक होली गीतों के बीच सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं देने पहुंच रहे है

दुर्ग जिले में सौहादर्पूर्ण माहौल

पूरे दुर्ग जिला में इस वर्ष होली का पर्व सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता के कारण माहौल पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। बाजारों, मोहल्लों और कॉलोनियों में लोगों ने पारंपरिक उत्साह के साथ रंगों का त्योहार मनाया।

नई दृष्टिबिंदु परिवार ने भी खेली होली

इसी क्रम में नई दृष्टिबिंदु के पूरे परिवार ने भी एक साथ मिलकर होली का त्योहार मनाया। कार्यालय में पत्रकारों और सहयोगियों ने आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ रंग-गुलाल लगाकर पर्व की खुशियां साझा कीं और समाज में सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। इस तरह छत्तीसगढ़ और खासकर दुर्ग जिले में इस वर्ष होली का पर्व शांति, सुरक्षा और भाईचारे के वातावरण में संपन्न हुआ, जिसने समाज में एक सकारात्मक संदेश भी दिया।

संपादकीय

मनुष्य की बुद्धि को चुनौती

भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो यहां भी हम सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाते रह जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के उद्घाटन भाषण में वैसे तो कई बातें कहीं लेकिन पूरे भाषण का सार यह है कि इसे भय के तौर पर देखा जाए या भाग्य के तौर पर। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एआई को भय के तौर पर देख रहे हैं लेकिन भारत इसे भाग्य के तौर पर देख रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एआई ने पूरी दुनिया में अगर नई संभावनाओं के रास्ते खोले हैं तो भय भी पैदा किया है। भय इसलिए क्योंकि यह पहली संज्ञानात्मक क्रांति है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि कृत्रिम बुद्धि मनुष्य की बुद्धि को चुनौती दे रही है। मनुष्य जो काम नहीं कर पाता था या जो काम करने में उसे घंटों या महीनों का समय लगता था वह काम अब एआई के जरिए चुटकियों में हो रहा है। इसलिए इसे सिर्फ नौकरी के लिए खतरे के तौर पर नहीं देखा जा सकता है। यह सभ्यता, संस्कृति और समस्य मानवीय मूल्यों के लिए चुनौती की तरह है।

जहां तक इस संज्ञानात्मक क्रांति में भारत की स्थिति की बात है तो उसकी एक झलक इसी एआई इम्पैक्ट समिट में दिखाई दी। पहले दिन जिस तरह की अव्यवस्था हुई उसे लेकर सोशल मीडिया में खूब तंज किए गए। कहा गया कि एआई समिट में ही एआई का इस्तेमाल नहीं किया गया। इसके बाद एक यूनिवर्सिटी की ओर से चीन के रोबोडॉग और कोरिया के ड्रोन को अपना बना कर पेश करने की घटना हुई, जिसने भारत की क्षमताओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। यह सही है कि उसे प्रतिनिधि घटना के तौर पर नहीं पेश किया जा सकता है लेकिन इस घटना ने एआई के सेक्टर में भारत की तैयारियों और उपलब्धियों को संदेह की नजर से देखने के लिए बाध्य किया है।

इस समिट में दुनिया भर के देशों के नेता या स्टार्टअप के फाउंडर्स या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की महाबली कंपनियों के प्रमुख भारत के बारे में क्या कहते हैं इससे कोई धारणा बनाने की जरुरत नहीं है। उनके लिए भारत एक बाजार है इसलिए वे बड़े बड़े निवेश के वादे कर रहे हैं या भारत की तारीफ कर रहे हैं। उनकी तारीफों के आधार पर भारत को अपना आकलन नहीं करना चाहिए। भारत को अपनी तैयारियों और उपलब्धियों का आकलन वस्तुनिष्ठ तरीके से करना चाहिए। भारत इसलिए एआई क्रांति में अग्रणी नहीं हो सकता है कि यहां ओपनएआई के प्लेटफॉर्म चैटजीपीटी के साढ़े 14 करोड़ यूजर्स हैं। भारत में तो फेसबुक के 45 करोड़ यूजर हैं लेकिन उससे भारत सोशल मीडिया क्रांति में अग्रणी नहीं हो गया है।

भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो यहां भी हम सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाते रह जाएंगे। सर्वम ने इसी समिट में लार्ज लैंग्वेज मॉडल पेश किया है। लेकिन उसकी कामयाबी तभी मानी जाएगी, जब भारत में करोड़ों लोग इसे इस्तेमाल करना शुरू करेंगे। जैसे चीन के डीपसीक ने चीन को लोगों की जरुरतें पूरी की कम से कम वैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म की भारत में जरुरत है। ध्यान रहे भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के तौर पर 'कूइ' और ऑफिस सूट के तौर पर 'जोहोइ' की चर्चा खूब हुई। लेकिन भारत के लोग इस्तेमाल अमेरिकी सोशल मीडिया और ऑफिस सूट ही करते हैं। अगर ऐसी स्थिति एआई में भी रही तो भारत इस क्रांति की बस भी मिस करेगा।

शहरी चुनौती कोष भारत के शहरों को किस तरह दे सकता है नया रूप

श्रीनिवास कटिकिथला

भारत के शहरीकरण का सफर निर्णायक मोड़ पर है। आज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरों का बड़ा योगदान है, ये देश के सबसे गतिशील आर्थिक केंद्रों का केंद्र हैं और लाखों लोगों के जीवन स्तर को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। फिर भी, ये शहर बुनियादी ढांचे की कमी, जलवायु परिवर्तन के खतरे, वित्तीय बाधाओं और संस्थागत बिखराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अब चुनौती यह नहीं है कि भारत का शहरीकरण होगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत का शहरीकरण प्रभावी, टिकाऊ और समावेशी तरीके से हो पाएगा।

हाल ही में स्वीकृत शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) इस प्रश्न के उत्तर देने के भारत के नजरिए में एक अहम बदलाव का प्रतीक है। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता राशि और करीब 4 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश को प्रेरित करने की अपेक्षित योजना के साथ, यह कोष पारंपरिक अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटकर, शहरी ढ़ांचागत विकास के लिए बाजार-आधारित, सुधार-संचालित और परिणाम पर आधारित ढांचे की ओर बदलाव का प्रतीक है।

अनुदान से बाजार अनुशासन की ओर

शहरी चुनौती कोष की संरचना उसे पूर्व के कार्यक्रमों से अलग करती है। केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित है और शहरों को कम से कम 50 प्रतिशत राशि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे बाजार स्रोतों से जुटानी होगी। बाकी राशि राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों या अन्य वित्तपोषण माध्यमों से आ सकती है।

यह आवश्यकता कार्यक्रम के मूल में वित्तीय अनुशासन को स्थापित करती है। यह संकेत देती है कि शहरी अवसंरचना अब केवल सार्वजनिक बजट पर निर्भर नहीं रह सकती, इसे राजस्व समर्थित परियोजनाओं के जरिए पूंजी बाजारों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनानी होगी। ऐसा करके, यह कोष ढ़ांचागत महत्वाकांक्षाओं के साथ राजकोषीय संयम का तालमेल बिठाने की कोशिश करता है।

शहरी केंद्र की पुर्नकल्पना

यह कोष तीन विशिष्ट क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के शहरी परिदृश्य की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं।

पहला क्षेत्र है विकास केंद्र के रूप में शहरों को देखना। इसके तहत यह माना जाता है कि शहरी क्षेत्र आर्थिक इंजन हैं। यह एकीकृत स्थानिक और पारगमन योजना, आर्थिक गलियारों के साथ अवसंरचना और औद्योगिक, पर्यटन या लॉजिस्टिक्स क्लस्टर जैसे मजबूत आर्थिक आधारों के विकास का समर्थन करता है। इसका मकसद केवल परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता को भी बढ़ाना है।

दूसरा क्षेत्र, शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास, भारतीय शहरीकरण की एक लंबे समय से चली आ रही चुनौती, ऐतिहासिक केंद्रों और केंद्रीय व्यावसायिक जिलों में भीड़भाड़ और गिरावट - का समाधान करता है। ब्राउनफील्ड पुनर्जनन, पारगमन आधारित विकास और सार्वजनिक भूमि के पुनर्गठन को प्रोत्साहित करके, यह कोष मौजूदा शहरी क्षेत्रों के भीतर मूल्यों को उजागर करने का प्रयास करता है। यह भूमि मूल्य अधिग्रहण और संरचित पुनर्विकास मॉडल के तर्क को पेश करता है, जिससे शहर सांस्कृतिक और विरासत चरित्र को संरक्षित करते हुए कम उपयोग वाली संपत्तियों को नवीनीकरण के चालक में बदला जा सकता है।

तीसरा क्षेत्र जल और स्वच्छता पर केंद्रित है, जहां सेवा संतृप्ति, अपशिष्ट जल पुनः उपयोग, बाढ़ शमन और विरासत अपशिष्ट स्थलों के उपचार पर जोर दिया जाता है। इस ढांचे में जलवायु में बदलाव समाहित है, यह मानते हुए कि चरम मौसम की घटनाएं और पर्यावरणीय तनाव शहरी भेद्यता को नया रूप दे रहे हैं।

छोटे शहरों को वित्तीय मुख्यधारा में लाना

शहरी चुनौती कोष के सबसे नवोन्मेषी तत्वों में से एक 5,000 करोड़ रुपए की ऋण चुकौती गारंटी योजना है। पहली बार, छोटे शहरी स्थानीय निकायों, खास तौर पर एक लाख से कम आबादी वाले, साथ ही पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के शहरों, को संरचित केंद्रीय गारंटी के साथ बाजार वित्त तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा रहा है।

प्रारंभिक उधार को जोखिममुक्त करके, यह योजना छोटी नगरपालिकाओं के लिए प्रवेश संबंधी बाधाओं को कम करती है और ऋणदाताओं को विश्वास दिलाती है। ऐसा करके, यह शहरी स्थानीय निकायों को अंतर-सरकारी हस्तांतरणों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय, पूंजी बाजारों का लाभ उठाने में सक्षम विश्वसनीय वित्तीय संस्थाओं के रूप में दोबारा स्थापित करना शुरू करती है।

सुधार ही आधार

यूसीएफ के तहत केंद्रीय सहायता प्राप्त करना शासन, वित्तीय और नियोजन सुधारों पर निर्भर है। शहरों से अपेक्षा की जाती है कि वे साख में सुधार करें, परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करें, सेवा वितरण को डिजिटल बनाएं, परिचालन दक्षता बढ़ाएं और एकीकृत भूमि उपयोग तथा गतिशीलता नियोजन ढांचे अपनाएं।

वित्तपोषण लक्ष्यों और मापने योग्य नतीजों से जुड़ा है और लगातार सुधार बाद के संवितरणों के लिए एक पूर्व शर्त है। यह दृष्टिकोण यह दिशा में प्रयास करता है कि अवसंरचना निर्माण के साथ-साथ संस्थागत सुदृढ़ीकरण भी हो, जिससे कमजोर रखरखाव या कुप्रबंधन के कारण परिसंपत्तियों के क्षय का जोखिम कम हो।

शहरी चुनौती कोष शहरी विकास में निजी क्षेत्र की भूमिका को भी पुनर्परिभाषित करता है। बाजार वित्तपोषण को अनिवार्य बनाकर और संरचित जोखिम-साझाकरण व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करके, यह डिजाइन, वित्तपोषण और संचालन में निजी भागीदारी को और अधिक व्यापक बनाता है।

परियोजना तैयारी सहायता, लेनदेन सलाहकार सहायता और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का मकसद परियोजना की व्यवहार्यता और निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना है। अगर इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह भारत के नगरपालिका बांड बाजार को और बड़ा कर सकता है और शहरी अवसंरचना के लिए वित्तपोषण आधार को व्यापक बना सकता है।

सहयोगात्मक कार्यान्वयन मॉडल

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस निधि को एक व्यापक हितधारक व्यवस्था के तहत रखा है। राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों, वित्तीय संस्थानों, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और निजी विकासकर्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे एक प्रतिस्पर्धी, चुनौती-आधारित प्रक्रिया के जरिए इसमें शामिल हों, जो तत्परता और नवाचार को पुरस्कृत करती है।

राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर पर क्षमता निर्माण के प्रावधान इस ढांचे में अंतर्निहित हैं, यह मानते हुए कि वित्तीय मदद तक पहुंच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधकीय दक्षता भी जरुरी है। डिजिटल निगरानी प्लेटफॉर्म से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़? और परिणाम-आधारित शासन को मजबूत करने की अपेक्षा की जाती है।

भविष्य के लिए तैयार शहरों की राह

आगामी दशकों में भारत की शहरी आबादी में खासी वृद्धि होने वाली है और इसके साथ ही बुनियादी ढांचे की मांग भी बढ़ेगी। शहरी चुनौती कोष इसी दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता और राजकोषीय स्थिरता को एक ही ढांचे में एकीकृत करने का प्रयास करता है।

आखिरकार क्या यह कोष भारत के शहरी विकास की दिशा बदल पाएगा, यह इसके क्रियान्वयन पर ही निर्भर करेगा। लेकिन इसका मकसद साफ है। शहरी चुनौती कोष शहरीकरण को एक वित्तीय बोझ के रूप में नहीं, बल्कि एक निवेश के अवसर के रूप में देखता है, जिसका लाभ उठाया जा सकता है। बाजार अनुशासन, सुधार प्रोत्साहन और मापने योग्य परिणामों को अपने डिजाइन में शामिल करके, यह भारत के शहरी परिवर्तन के अगले चरण को गति प्रदान करना चाहता है, एक ऐसा चरण जिसमें शहर सशक्त, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार विकास केंद्रों में विकसित हों।

भारत की पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी

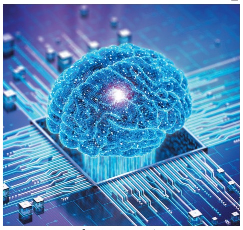

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

एआई के नए टूल्स आने से ना सिर्फ भारतीय टेक क्षेत्र, बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था पर आशंकाएं मंडरा रही हैं। गौरतलब है कि गुजरे तीन दशकों में भारत में टेक सेक्टर उपभोक्ता मध्य वर्ग निर्मित करने वाला प्रमुख कारोबार रहा है।

जिस समय बड़ी टेक कंपनियों के शेयर भाव में गिरावट का सिलसिला थम नहीं रहा है, नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एवं सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) की बैठक पर निगाहें टिकना लाजिमी है। दुनिया में तकनीक सेवादाता कंपनियों के शेयरों के भाव में गिरावट का सीधा कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नए टूल्स का सामने आना है। खासकर अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक ने अपने क्लाउड ऐप पर ऐसी सेवाएं दी हैं, जिनसे राय बनी है कि वे वो काम करने में सक्षम हैं, जिनकी सेवाएं टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो आदि जैसी टेक कंपनियां देती रही हैं। इसलिए इस महीने ऐसी भारतीय कंपनियों के शेयरों के भाव रोजमर्रा के स्तर पर गिरे हैं।

भारतीय टेक शेयरों में गिरावट का बड़ा कारण विदेशी निवेशकों का इनसे पैसा निकालना है। इस घटनाक्रम से ना सिर्फ भारत के टेक क्षेत्र, बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था पर आशंकाएं मंडरा रही हैं। भारत में टेक सेक्टर अर्थव्यवस्था का सिर्फ एक क्षेत्र भर नहीं है। बल्कि गुजरे तीन दशकों में यह उपभोक्ता मध्य वर्ग निर्मित करने वाला प्रमुख कारोबार रहा है। पिछले साल टेक कंपनियों में 58 लाख कर्मी कार्यरत थे। आयकर आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्थायी वेतन से होने वाली कुल आय में टेक कर्मियों का हिस्सा साढ़े 25 प्रतिशत से अधिक रहा। केंद्र सरकार के कर्मचारियों की कुल तनख्वाह से यह हिस्सा सवा तीन गुना ज्यादा है। एआई से यह क्षेत्र सिकुड़ा, तो जाहिर है, उससे भारत की पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी।

इसीलिए मंगलवार को हो रही नैसकॉम की बैठक को अहम माना गया है, जिसमें भारत में एआई को अपनाने की गति और उद्योगों पर उसका प्रभाव चर्चा का प्रमुख मुद्दा होंगे। भारतीय टेक कंपनियां आश्वासन देती रही हैं कि एआई के उपयोग से उनके कामकाज पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। उनके मुताबिक एआई दौर की जरूरतों के मुताबिक वे तेजी से खुद को ढाल रही हैं। मगर जिस तरह पिछले वर्ष टीसीएस जैसी कंपनियों ने कमर्चारियों की छंटनी की, उसके मद्देनजर ऐसे से आश्वासनों से ना तो बाजार का रुख बदला है, और ना ही सार्वजनिक चर्चाओं में अंदेशे घटे हैं। तो क्या आज की नैसकॉम की बैठक इस बारे में भरोसा बंधा पाएगी?

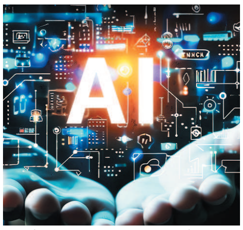

दुनिया में चर्चा का विषय एपस्टीन की फाइल्स

विनीत नारायण

फाइलें 30 जनवरी 2026 को सामने इसलिए आई क्योंकि अमरीका के सांसदों ने न्यायिक विभाग पर भारी दबाव बनाया। अभी भी बहुत सारी सूचनाओं को ये विभाग दबा कर बैठा है। अमरीका के जो भी सांसद बारी-बारी से जाकर न्यायिक विभाग में इन फाइलों का निरीक्षण कर रहे हैं वे सदमें में आ जाते हैं। इनमें दुनिया के कुलीन और मशहूर धनाढ्यों और राजनेताओं के नाम शामिल हैं।

पिछले हफ्ते तक इंग्लैंड के युवराज रहे प्रिंस एंड्र्यूज की गिरफ्तारी ने एपस्टीन फाइल्स में उल्लेखित विश्व की मशहूर हस्तियों और राजनेताओं के दिल की धड़कन बढ़ा दी है। ये एक ऐसा जिन्न है जो फैलता ही जा रहा है। हर रोज नए-नए नाम और उनके काले कारनामे उजागर हो रहे हैं। आश्चर्य की बात है कि अमरीका के न्यायिक विभाग ने इन फाइल्स के सामने आने के बाद इनमें शामिल मशहूर हस्तियों से न तो कोई पूछताछ की और न ही उनके खिलाफ कोई केस दर्ज किए। क्योंकि उस पर अपने ही सत्ताधीशों का दबाव था। ये फाइलें भी 30 जनवरी 2026 को सामने इसलिए आई हैं क्योंकि अमरीका के सांसदों ने न्यायिक विभाग पर भारी दबाव बनाया। अभी भी बहुत सारी सूचनाओं को ये विभाग दबा कर बैठा है। अमरीका के जो भी सांसद बारी-बारी से जाकर न्यायिक विभाग में इन फाइलों का निरीक्षण कर रहे हैं वे सदमें में आ जाते हैं। इनमें दुनिया के कुलीन और मशहूर धनाढ्यों और राजनेताओं के नाम शामिल हैं।

आश्चर्य की बात है कि भारत का अधिकतर मीडिया ही नहीं बल्कि अमरीका का भी मुख्य धारा का मीडिया एपस्टीन फाइल्स को लेकर सामने आ रही दिल दहलाने वाली सूचनाओं को उस तत्परता से प्रकाशित या प्रसारित नहीं कर रहा जैसा किया जाना चाहिए। लगता है कि पैसे और ताक़त के दबाव पर इन सूचनाओं को दबाने का काम जारी है। पर सोशल मीडिया अपनी भूमिका बखूबी निभा रहा है। जिन्हें एपस्टीन फाइल्स के बारे में अधिक जानकारी नहीं है, वे सोशल मीडिया पर जाकर 'एपस्टीन फाइल्सइ' कीवर्ड को खोजेंगे तो उनकी आँखे फटी की फटी रह जाएँगी। ये फाइल्स इतनी भयावह हैं कि अगर इससे जुड़े ताक़तवर लोगों पर क़ानूनी करवाई होना शुरू हो जाए तो अमरीका की राजसत्ता और आर्थिक सत्ता धराशाही हो जाएगी और यही स्थिति अन्य देशों में भी हो सकती है। आज अमरीका के हर बड़े शहर में लाखों नागरिक अपने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ सड़कों पर भारी प्रदर्शन कर रहे हैं। क्योंकि इन संदिग्ध फाइल्स में उपलब्ध वीडियो फुटेज में डोनाल्ड ट्रम्प जैसी तमाम बड़ी हस्तियां, छोटी बच्चियों के साथ दिखाई दे रहे हैं। हालांकि बच्चियों के यौन शोषण के मामले में उनके विरुद्ध अभी तक कोई प्रमाण सामने नहीं आए हैं। पर लाख टके का सवाल यह है कि जिस नरपिशाच को बच्चियों के साथ पाशविक यौनाचार के मामले में सजा मिल चुकी थी उससे ये बड़ी हस्तियां क्यों लगातार मिलती-जुलती रहीं?

आइए जान लें कि जेफरी एडवर्ड एपस्टीन कौन था? वो एक अमेरिकी फाइनेंशियर (धन प्रबंधक) और सेक्स क्रिमिनल था। वो न्यूयॉर्क में जन्मा, पढ़ाई में अच्छा था, एक प्राइवेट स्कूल में टीचर रहा, फिर वॉल स्ट्रीट पर 'बियर स्टर्न्सइ' जैसे बड़े बैंक में काम किया। बाद में उसने अपनी खुद की फर्म बनाई, जहाँ वो अरबपतियों के पैसे मैनेज करता था। वो बहुत अमीर हो गया और दुनिया के बड़े-बड़े लोगों से उसकी दोस्ती थी, जैसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, डोनाल्ड ट्रंप, ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू, बिल गेट्स, कई सेलिब्रिटी, वैज्ञानिक और बिजनेसमैन। उसके पास 'लोलिता एक्सप्रेसइ' नाम का प्राइवेट जेट था। न्यूयॉर्क व फ्लोरिडा में उसके महल जैसे घर और कैरिबियन में एक प्राइवेट द्वीप भी था जहाँ वो शानदार दावतें देता था, जिनमें दुनिया भर की मशहूर हस्तियां शिरकत करती थीं। एपस्टीन पर बच्चियों और नाबालिग लड़कियों के साथ यौन शोषण और सेक्स ट्रैफिकिंग (बलात्कार/दुष्कर्म का नेटवर्क चलाने) के गंभीर आरोप थे।

2005 में फ्लोरिडा पुलिस ने जांच शुरू की तो एक 14 साल की लड़की ने बताया कि एपस्टीन ने उसे उसके घर में 'सेक्सुअल मसाजइ' के बहाने शोषण किया। दजनों (कुछ रिपोर्ट्स में 100+ से ज्यादा) नाबालिग लड़कियों ने कहा कि एपस्टीन उन्हें पैसे देकर 'मसाजइ' के लिए बुलाता था, फिर सेक्सुअल एक्टिविटी करता था। उसकी पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल पर आरोप था कि वो एपस्टीन को लड़कियां मुहैया कराती थी। मैक्सवेल को 2021 में दोषी ठहराया गया और उसे 20 साल की सजा हुई और वो अभी जेल में है। उधर 2008 में एक डील हुई जिसमें एपस्टीन ने अपना दोष स्वीकार किया और वो गिरफ्तार कर लिया गया। पर वो सिर्फ 13 महीने ही जेल में रहा। लेकिन 2019 में एपस्टीन को दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। उस पर सेक्स ट्रैफिकिंग के फेडरल आरोप लगे। लेकिन फिर जेल में ही उसकी मौत हो गई। बताया गया कि उसने जेल में आत्महत्या कर ली। परंतु उसकी मौत संदेहास्पद परिस्थितियों में हुई। क्योंकि उस पर 24 घंटे निगरानी करने के लिए जेल में जो कैमरे लगे थे वो खराब हो गए थे, ऐसा बताया गया।

उन्नत तकनीकी विधि से गेहूं उत्पादन में वृद्धि, कम लागत में अधिक मुनाफा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप कृषि क्षेत्र में उन्नत तकनीकों के विस्तार हेतु कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की पहल की जा रही है।

जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखण्ड के ग्राम बोखी के 60 वर्षीय कृषक श्री गणेश राम यादव इस प्रयास के प्रेरक उदाहरण हैं। वे पूर्व में परंपरागत देशी विधि से खेती करते थे, जिससे प्रति एकड़ लगभग 4 से 5 हजार रुपये की शुद्ध आय प्राप्त होती थी। चालू वर्ष में उन्होंने एसएमएसपी योजना अंतर्गत उन्नत तकनीकी विधि से गेहूं की किस्म जीडब्ल्यू-322 का उत्पादन किया। आधुनिक पद्धति अपनाने से उन्हें प्रति एकड़ 7 क्विंटल उपज प्राप्त हुई तथा शुद्ध आय बढ़कर 16 हजार रुपये तक पहुंच गई।

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, क्षेत्र फरसाबहार, श्रीमती शशिप्रभा भोय द्वारा किसानों को उन्नत तकनीक से खेती हेतु प्रेरित करते हुए गुणवत्तापूर्ण गेहूं बीज उपलब्ध कराए गए। फसल प्रदर्शन के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए क्षेत्र के अन्य कृषक भी आगामी वर्ष में उन्नत तकनीकी विधि अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं। श्री गणेश राम यादव ने बताया कि वे आगामी वर्ष में गेहूं की खेती अधिक रकबे में आधुनिक तकनीक से करेंगे तथा अन्य किसानों को भी इस पद्धति को अपनाने हेतु प्रेरित करेंगे। यह प्रयास कृषि क्षेत्र में आयवृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

नक्सलगढ़ रहे ग्राम गोगुण्डा में आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित अंचलों में विकास की नई रफ्तार देखने को मिल रही है। सुकमा जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से अब दूरस्थ और पहाड़ी ग्रामों में आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। नियद नेल्लानार योजना में शामिल ग्रामों में विभिन्न विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने लगा है।

जनपद पंचायत कोंटा अंतर्गत पूर्व में घोर नक्सल प्रभावित रहे पहाड़ी ग्राम गोगुण्डा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित बिहान योजना ने महिलाओं के जीवन में आशा की नई किरण जगाई है। विद्या महिला संकुल संगठन के अंतर्गत राम स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती गंगी मुचाकी ने अपने घर पर ग्राम की पहली किराना दुकान प्रारंभ कर आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत की है।

उल्लेखनीय है कि प्रशासन की विशेष पहल से हाल ही में गोगुण्डा में पहली बार विद्युत सुविधा उपलब्ध हुई है। साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आधारभूत संरचना और निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है। ऐसे सकारात्मक परिवतर्नों के बीच ग्राम में पहली किराना दुकान शुरू होना एक उपलब्धि है। इससे ग्रामीणों को दैनिक आवश्यक वस्तुओं के लिए दूरस्थ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, साथ ही स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। बिहान योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। दुब्बाटोटा क्लस्टर की पीआरपी श्रीमती मंजू कट्टम के मार्गदर्शन से यह पहल साकार हुई। यह प्रयास सामाजिक आत्मविश्वास और समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी है।

केले से आये बागों में बहार

केले की व्यवसायिक प्रजातियां

ड्वार्फ के वेन्डिस (भुसावली, बसराई, मारिसस, काबुली, सिन्दुरानी, सिंगापुरी जहाजी, मोरिस) यह प्रजाति म.प्र. महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार एवं कर्नाटक की जलवायु के लिये बहुत उपयुक्त पायी गयी है. इस प्रजाति से चयन कर गनदेवी सिलेक्शन (हनुमान) अथवा पाडर्से नाम की जातियां विकसित की गई हैं जिनकी उत्पादन क्षमता 20-25 कि.ग्रा. प्रति पौधा है इस प्रजाति का पौधा बोना किस्म का 1.5-1.8 मीटर ऊंचा होता है फल बड़े, मटमैले पीले या हरेपन लिये हुए पीला होता है. पत्तियां चौड़ी एवं पीली होती हैं औसतन 9-10 हेण्ड प्रति बंच (गुच्छा) होता है. औसत फिंगर की लम्बाई 20 से.मी. एवं मोटाई 10 से.मी.होती है.

जातियां- रोबस्टा (एएए), रस्थली (सिल्क एएबी), पूवन (एबी) करपूरावल्ली (एबीबी), नेन्द्रन (प्लान्टेन एएबी)

केले की उन्नत संकर प्रजातियां

(1) एच-1 (अग्निस्वार +पिसांग लिलिन)- यह लीफ स्पॉट फयूजेरियम बीमारी निरोधक कम अवधि वाली उपर्युक्त किस्म है. यह बरोइंग सूत्रकृमि के लिये अवरोधक है. इस संकर प्रजाति का पौधा मध्यम ऊंचाई 14-16 कि.ग्रा. का बंच होता है. फल लम्बे, पकने पर सुनहरे, पीले रंग के हो जाते हैं. हल्का खट्टा तथा मीठा खट्टी महक पकने पर आती है. यह किस्म जड़ी फसल के लिये उपयुक्त तीन वर्ष के फसल चक्र में चार फसलें ली जा सकती हैं.

रोपण सामग्री : केला रोपण हेतु तलवारनुमा आकार के अंतःभूस्तरीय जिनकी पत्तियां सकरी होती हैं. जिनको बीज के उपयोग में लाया जाता है. तीन माह पुराना सकर्स जिसका वजन 700 ग्राम से 1 कि.ग्रा. तक रोपण के लिये उपर्युक्त होते हैं.

भूमि की तैयारी एवं रोपण पद्धति : खेत की जुताई कर मिट्टी को भुर-भुरी बना लेना चाहिए जिससे भूमि का जल निकास उचित रहें तथा कार्बनिक खाद ह्यूमस के रूप में प्रचुर मात्रा में हो इसके लिये हरी खाद की फसल ले.

पौध अंतराल- कतार से कतार की दूरी 1.8 मीटर, पौधे से पौधे की दूरी 1.5 मीटर रखते है तथा पौधा रोपण के लिये 45345345 से.मी. आकार के गढ्डे खोदें प्रत्येक गढ्डे में 12-15 किग्रा. अच्छी पकी हुई गोबर या कम्पोस्ट खाद रोपण के पूर्व, साथ ही प्रत्येक गढ्डे में 5 ग्राम थीमेट दवा मिट्टी में मिला दें.

बीज उपचार

प्रकंदों को उपचार के पूर्व साफ करें तथा जड़ों को पृथक कर दें 1 प्रतिशत बोर्डो मिक्चर तैयार कर प्रकंदों को उपचारित करें इसके बाद 3-4 ग्राम बाविस्टीन प्रति लीटर पानी का घोल प्रकंदों को 5 मिनिट तक उपचार करें. खाद एवं उर्वरक की मात्रा एवं देने की विधि- केले की फसल अपने पूरे जीवन चक्र में रोपण 5-7 माह के अंदर प्रति पौधा सिंगल सुपर फास्फेट 1500 ग्राम, यूरिया 470 ग्राम ओर म्यूरेट ऑफ पोटाश 500 ग्राम, कम्पोस्ट खाद 5 कि.ग्रा. प्रति पौधा के हिसाब से दें. कम्पोस्ट खाद एवं फास्फोरस की पूर्ण मात्रा पौधा लगाते समय यूरिया एवं पोटाश डेढ़ माह के अंतराल से छः माह के अंदर चार बार में दें.

अंतःभूस्तरी (सकर्स) निकालना

जब तक केले के पौधे में पुष्प गुच्छ न निकल पाएं तब तक सकर्स को नियमित रूप से काटते रहे. पुष्पण जब पूर्ण हो जावे तो एक सकर्स को रखा जाए तथा शेष को काटते रहे. यह ध्यान रखें कि एक वर्ष की अवधि तक एक पौधे के साथ एक सकर्स को ही बढ़ने दिया जाए वह जड़ी (रेटून) की फसल के रूप में उत्पादन देगा, बंच के निचले स्थान में जो नरमादा भाग है इसे काटकर उसमें बोर्डोपेस्ट लगा दिया जाए.

सहारा देना- जिन किस्मों में बंच का वजन काफी हो जाता है. तथा स्युडोस्टेंडम के टूटने की संभावना रहती है. इसे बल्ली का सहारा देना चाहिये, केले के पत्ते से उसके डंठल को ढक दिया जाये.

पौधों को काटना- केला बंच पुष्पण से 110 से 130 दिनों में काटने योग्य हो जाते हैं. बंच काटने के पश्चात पौधों को धीरे-धीरे काटें, क्योंकि इस क्रिया से मातृप्रकंद के पोषक तत्व जड़ी वाले पौधे को उपलब्ध होने लगते है. फलस्वरूप उत्पादन अच्छा होने की संभावना बढ़ जाती है.

जल प्रबंधन- केले की फसल को अधिक पानी की आवश्यकता होती है. केले के पत्ते बड़े-चौड़े होते हैं. एक पौधे के पत्तों का कुल क्षेत्रफल 50-60 वर्गमीटर होता है. इसलिए बड़े पैमाने पर पानी की वाष्पीकरण उत्सर्जन होने से केले को अधिक पानी की आवश्यकता होती है. केले के पूर्ण वर्धित झाड़ों को प्रतिदिन 12-15 लीटर पानी की आवश्यकता होती है. ड्रिप पद्धति से सिंचाई करने पर 60 प्रतिशत पानी की बचत होती है.

अंतरवर्तीय फसल

मृग बहार: इस फसल की रोपाई मई-जून महीने में की जाती है. जिसमें केले के साथ, मूंग, भिंडी, टमाटर, मिर्च बैंगन इत्यादि फसलें ले सकते हैं.

कांदा बहार: इस बहार के अंतर्गत आलू, प्याज, टमाटर, धनिया, बैंगन की फसलें ली जा सकती हैं.

केले की फसल में सस्य क्रियाएं

केले की फसल में पौधों की जड़ों पर मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. क्योंकि केले की जड़े अधिक गहरी नहीं जाती हैं. इसलिये पौधों को सहारा देने के लिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है. कभी-कभी कंद बाहर आ जाते है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है. इसलिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है.

मल्चिंग: जमीन से जल वाष्पीकरण तथा खरपतवार द्वारा ह्रास होता है. तथा भूमि से पोषक तत्व भी खरपतवारों द्वारा लिये जाते है भूमि जल के वाष्पीकरण एवं खरपतवारों के नियंत्रण हेतु प्लास्टिक सीट पौधे की जड़ों के चारों ओर लगाने से उपरोक्त क्षति से बचाव हो जाता है. इसके अतिरिक्त गन्ने के छिलके, सूखी घास, सूखी पत्तियां एवं गुड़ाई करने से जल ह्रास कम हो जाता है. प्लास्टिक की काली पॉलीथिन की मल्चिंग करने पर उत्पादकता में वृद्धि होती है.

गौमूत्र, नीम काढ़ा डालें चने को बचाएं कटुआ से

चने की ज्यादा से ज्यादा पैदावार मिले, इसके लिये जैविक विधि द्वारा चने की कटुआ इल्लियों की रोकथाम के लिये घरेलू सामग्रियों से कम कीमत पर जैविक कीटनाशक घर में ही तैयार करें. चने की इल्लियों को समाप्त करके चने की ज्यादा से ज्यादा पैदावार किसान भाई ले सकते हैं. इस कीटनाशक की खास बात यह है कि इसके उपयोग से किसान की सेहत पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है. यह कीटनाशक कृषि विभाग के पूर्व संचालक डा. जी.एस. कौशल ने कृषक श्री संतोष सहारे के सहयोग से तैयार किया गया हैं।

इस कीटनाशक का प्रयोग म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्टेशन औबेदुल्लागंज में चने औषधीय एवं सुगंधित पौधों एवं सब्जियों में पिछले दो वर्षों से प्रयोग किया जा रहा हैं. इस कीटनाशक का परिणाम बहुत ही सकारात्मक पाया गया है।

क्षति : इस वर्ष मौसम चने की इल्ली के बहुत ही अनुकूल हैं। भारत वर्ष में प्रायः जाड़े का मौसम कीट व्याधियों के प्रकोप के लिए सुरक्षित माना जाता हैं। परंतु ये कटुआ कीट उसे थोड़े से कीट समुदाय से संबंधित हैं, जो जाड़ों से रबी की फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। इन कीटों की केवल सुंडी ही नुकसान पहुंचाती है। इन कीटों को कटुआ इसलिए कहते हैं, क्योंकि ये छोटे पौधों को पूरा या उनकी शाखाओं को काटकर जमीन पर गिरा देती हैं।

गौमूत्र, नीम, आकड़े का काढ़ा

विधि- इस विधि में सर्वप्रथम 10 लीटर गौमूत्र में 1 किलो नीम तथा 1 किलो आक (आकड़े) के पत्ते मिलाकर उसे 10 दिन तक रखें। 15 दिन के उपरांत इस घोल में 100 ग्राम कुटा हुआ लहसुन मिलाकर इसे इतना उबालें कि यह मिश्रण 5 लीटर रह जाए मिश्रण को ठंडा कर छान लें 15-16 लीटर क्षमता के एक पम्प में इस घोल की 100 मि.ली. मात्रा मिलाकर फसल पर स्प्रे करने से चने, कपास व पत्ता गोभी पर लगने वाली चिकनी व बाल वाली इल्ली तथा माहू पर नियंत्रण किया जा सकता हैं।

करंज-अडूसा का घोल- चने को इल्ली से बचाने के लिये 5 किलो करंज व 5 किलो अडूसा की पत्तियों का रस निकाल कर 10 लीटर पानी में मिला लें तथा 2-3 बार कपड़े से छान लें. घोल को 150 लीटर पानी में मिलाकर एक हेक्टर में छिड़काव करें.

- एक माह की फसल हो जाने पर प्रति एकड़ एक किलो ज्वार खेत में छिड़क दें. जिससे पक्षी आकर्षित हो सकें. ये पक्षी ज्वार के साथ इल्लियों को भी खा जायेंगे।
- एन.पी.व्ही. 250 एल.ई. (इल्ली समतुल्य) का छिड़काव शाम को करने से इल्लियाँ वायरस ग्रस्त होकर मर जाती हैं. उन्हें एकत्र कर कृषक स्वयं एन.पी.व्ही. तैयार कर सकते है.
- 5 प्रतिशत मट्ठे के घोल का छिड़काव करें.
- 10 प्रतिशत गौमूत्र का छिड़काव करें.
- बेसिलस थियुरिंजिस का छिड़काव करें.
- नीम तेल 0.03 प्रतिशत का छिड़काव करें.
- नीम काढ़ा 15-20 किलो नीम की पत्तियों को 200 लीटर पानी में पीला होने तक गलाएं। इसे छानकर एक एकड़ में छिड़काव करें.
- उपरोक्त छिड़काव की विधियाँ बारी-बारी से अपनाई जा सकती हैं। उपयुक्त होगा कि प्रथम छिड़काव गौमूत्र 10 प्रतिशत का दिया जावें. इसके बाद उपलब्धता एवं सुविधानुसार प्रत्येक 15 दिनों के छिड़काव तब तक जारी रखा जावें जब तक कि चने का दाना भर न जावें। इन विधियों में लागत न्यूनतम हैं. अतः कृषकों को इसके प्रकोप होने तक इंतजार करें बिना छिड़काव एवं बचाव के उपाय प्रारंभ कर देना चाहिए.

कीट-रोगों से बचायें गेहूं की फसल को

गेहूं की फसल में इस माह में रस चूसक कीटों जैसे माहो, जड़ माहो, तेला (थ्रिप्स) तथा रस चूसक मकड़ी के आक्रमण की सम्भावना रहती है। पत्तियों और जड़ों से ये कीट रस चूसकर पौधों को कमजोर कर देते हैं जिससे उपज पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। प्रकोपित पौधे कमजोर एवं पीले दिखाई देते हैं। पत्तियों में चिपके रसचूसक कीटों के नियंत्रण हेतु यदि आवश्यक हो तो डायमिथियेट 30 ई.सी. दवा की 1000 मि.ली. मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टर छिड़कें. सूक्ष्म मकड़ी की संख्या अधिक होने पर डायकोफॉल 18.5 ई.सी. 1000 मिली. प्रति हेक्टर के मान से 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें. जड़ माहो के प्रकोप होने की स्थिति में क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. दवा की एक मि.ली.मात्रा/लीटर पानी घोलकर जड़ों के आसपास घोल का छिड़काव करें.

- चने की फसल पर इस माह में इल्ली का आक्रमण सामान्य है अतः खेत में परभक्षी पक्षियों को बैठने के लिये टी आकार की खूंटियाँ 50 खूंटी/हेक्टर के मान से जमीन में गाड़ दें. खूंटी की ऊंचाई, पौधों से 1-2 फीट अधिक होना आवश्यक है. फसल पर इल्ली संख्या की नियमित निगरानी रखें. यदि फसल फूल/फली की अवस्था में है और इल्ली संख्या औसतन 2 या अधिक इल्ली/मीटर कतार दिखाई दे तो दवा इण्डोसल्फान 35 ई.सी. दवा की 1250 मि.ली. मात्रा 750 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. दवा की 2 लीटर मात्रा 750 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें.
- सरसों की फसल में फूल आते हैं माहो के नियंत्रण हेतु डायमिथियेट 30 ई.सी. एक लीटर/हेक्टर साइहेलोथ्रिन 5 ई.सी. 400 मि.ली./हेक्टर या एसिटामिप्रिड 20 एस.पी. 50 ग्राम/हेक्टर दवा 750 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें. माहो के अतिरिक्त इस समय सरसों में एक अन्य रस चूसक कीट जिसे चितकबरा मत्कुण या पेंटेड बग कहते हैं, सक्रिय रहता है। माहो नियंत्रण में बताये गये कीटनाशक इस कीट के विरुद्ध भी प्रभावी हैं।
- मटर तथा राजमा जैसी दलहनी फसलों पर फूल तथा फली भक्षी इल्लियों का प्रकोप होता है। अतः फसल की नियमित निगरानी रखें तथा आवश्यक होने पर इण्डोसल्फान 35 ई.सी. दवा की 1250 मि.ली. मात्रा/हेक्टर या क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. की 1250 मि.ली. मात्रा/हेक्टर के मान से 600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें
- गन्ने की खड़ी फसल पर इस माह में अग्रतना बेधक एवं पपड़ी कीट का आक्रमण सम्भावित है। नियंत्रण हेतु पौधों की जड़ों के पास फोरेट 10 प्रतिशत दानेदार 15 किग्रा/हे. या कार्बोफ्यूरान 3 प्रतिशत दानेदार दवा की 30 किग्रा/ हे. मात्रा डालें.
- टमाटर, मिर्च, बैंगन, फूलगोभी, पत्ता गोभी इत्यादि सब्जियों रस चूसक कीटों के नियंत्रण के लिये डायमिथियेट 30 ई.सी. दवा की 1 लीटर मात्रा/ हेक्टर या एसीफेट 75 एस.पी. दवा की 400 ग्राम मात्रा/ हेक्टर या इमीडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल.की. 100 मि.ली. मात्रा/ हेक्टर 600 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें. पत्ती भक्षक इल्लियों के नियंत्रण के लिये मेलाथियान 50 ई.सी. दवा की 1 लीटर मात्रा/ हेक्टर या नीम आधारित कीटनाशक 3 लीटर/ हेक्टर या इण्डोसल्फान 35 ई.सी. 1250 मि.ली./हेक्टर या कार्बोफ हाइड्रोक्लोराईड 50 एस.पी. 1 किग्रा./ हे. के मान से 600 ली. पानी में घोलकर छिड़कें.
- धनिया, जीरा, मेथी आदि मसाला फसलों में माहो कीट के प्रकोप की निरंतर निगरानी रखें तथा आवश्यक होने पर माहो का नियंत्रण ऊपर वर्णित दैहिक कीटनाशकों की सहायता से करें.
- पपीते के पौधों में रसचूसकों का नियंत्रण करें. आम के पेड़ों पर मिलीबग कीट के शिशु इस समय सक्रिय रहकर कोमल टहनियों तथा पत्तियों पर चिपके रहकर रस चूसते हैं जिससे पेड़ पर बौर कम आते हैं और फूल कमजोर होकर झड़ जाते हैं. इन कीटों द्वारा स्त्रावित द्रव पर कवक विकसित हो जाता है जिससे पत्तों पर काले धब्बे दिखाई देते हैं. कवक के कारण प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में बाधा होती है और पौधा कमजोर हो जाता है। इसके नियंत्रण के लिये मेलाथियान 50 ई.सी. 50 मि.ली./पेड़ या इण्डोसल्फान 35 ई.सी. दवा की 20 मि.ली. मात्रा/पेड़ की दर से 10-15 लीटर पानी में घोलकर प्रति पेड़ पर छिड़कें।

पानी की बचत के साथ करें सिंचाई

सिंचाई की प्रमुख विधियां

सतही सिंचाई विधि- अधिकतर सिंचाई इसी विधि से की जाती है, इसकी प्रचलित उपविधियां इस प्रकार हैंः-

खुला बहाव सिंचाई विधि-इस विधि में सिंचाई करते समय जल को खुला ही ऊंचे-नीचे खेत में छोड़ दिया जाता है, इसमें जल का पूर्ण व सही उपयोग नहीं हो पाता है। इस विधि में जल का 30 प्रतिशत ही उपयोग हो पाता है शेष जल मात्रा बहकर व्यर्थ नष्ट हो जाती है तथा खेतों से समान नमी नहीं मिल पाती है।

नियंत्रित बहाव सिंचाई विधि

इस विधि में खेतों को समतल करने के पश्चात लगभग 4-8 मीटर चौड़ी पट्टियों में बांट दिया जाता है। जल पट्टियों के ऊपरी सिरे से छोड़ा जाता है। जिससे जल पट्टियों में पूरी चौड़ाई में फैलता हुआ बढ़ता है। जब जल की पर्त आखिरी सिरे 15 से 20 प्रतिशत दूर रह जाती है तो इस पट्टी में जल बंद कर दूसरी पट्टी में छोड़ दिया जाता है और यही क्रम निरन्तर चलता रहता है। पट्टी की चौड़ाई व लम्बाई भूमि की किस्म, ढाल पर निर्भर करती है। पट्टी की लंबाई सामान्यतः 50 से 80 मीटर तक रखी जा सकती है। भूमि का ढाल अधिक होने पर जल पट्टी के निचले सिरे पर शीघ्र पहुंच जाता है तथा ऊपर सूखा रह जाता है। अतः रेतीली तथा बलुई भूमि में ढाल अधिकतर 0.2 से 0.5 प्रतिशत तक रखा जाता है जबकि चिकनी भूमि में 0.05 से 0.2 प्रतिशत तक रखा जा सकता है।

क्यारी सिंचाई विधि

इस विधि में बड़ी-बड़ी पट्टियों को छोटी-छोटी क्यारियों में बांट दिया जाता है। जिससे जल का उपयोग अच्छे तरीके से होता हैं। जिन खेतों में मृदा भारी होती है वहां अंतःसरण धीरे-धीरे होता हैं उन स्थानों पर इस विधि का प्रयोग किया जाता है। इस विधि में सम्पूर्ण खेत में समान नमी, कम पानी से अधिक क्षेत्र की सिंचाई तथा खुला बहाव विधि की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है। सामान्यतः क्यारियों का आकार 436,638, 8312 मीटर तक रखा जा सकता है।

थाला सिंचाई विधि

यह विधि सामान्यतः उद्यानों में प्रयोग की जाती हैं इसमें वर्गाकार क्यारी एक अथवा कई पौधों के लिये बनायी जाती है। साधारणतः एक क्यारी में एक ही पौधा लगाया जाता है और सिंचाई की जाती है।

रिंग सिंचाई विधि

इस विधि में प्रत्येक वृक्ष के चारों ओर गोलाकार क्यारी बनायी जाती है वृक्ष छोटे होने पर क्यारी आकार भी छोटा तथा वृक्ष बड़े होने पर आकार बड़ा किया जाता है। इसमें जल पूरे क्षेत्र में न फैलकर सीधे पौधों की जड़ों में पहुंचता है। यह विधि भी सामान्यतः उद्यानों के लिये उपयोगी है।

कूंड सिंचाई विधि

इस विधि में पूरे खेत में कूंड व मेढ़ बनाकर सिंचाई की जाती है। कूंड व मेढ़ों पर फसल जैसे- आलू, गन्ना प्याज आदि लगाई जाती है। कूंडों से पानी फसलों के मूल क्षेत्र तक पहुँचता है। इस विधि में जल की बहुत बचत होती है।

फव्वारा सिंचाई विधि

फव्वारा सिंचाई विधि में जल वर्षा की तरह भूमि या फसल पर गिरता हैं जल के दबाव से बारीक छिद्रों या नोजल से फव्वारा बनता है। इस विधि में जल फसल के पत्तों को धुलते हुए जड़ क्षेत्र के समान रूप से मिलता है। इस पद्धति से लगभग सभी फसलों में सिंचाई कर सकते हैं। लेकिन धान, जूट व बड़े फलदार वृक्षों में इस विधि का उपयोग नहीं किया जा सकता है। इस विधि में 30 से 50 प्रतिशत तक जल की बचत होती है। इस विधि का उपयोग सभी प्रकार की मृदा में कर सकते है, लेकिन महीन कणों वाली (भारी चिकनी) मिट्टी जिसकी जल सोखने की अनुपयुक्त पाई गई है में लाभ कम मिल पाता है। इस विधि का सबसे अधिक लाभ रेतीली भूमि में सिंचाई करने में है। इस विधि के अन्य लाभ इस प्रकार हैं भूमि का समुचित उपयोग होता है क्योंकि पट्टियां/क्यारियां या गहरे कूंड बनाने आवश्यकता नहीं होती है। ऊंची-नीची भूमि को समतल किये बिना सिंचाई कर सकते हैं। अनुदान का लाभ शासकीय विभाग द्वारा कृषकों को फव्वारा सिंचाई सेट पर अनुदान मिलता है। जिससे किसान बंधु लाभ लेकर कम पानी की पद्धति से भरपूर फसल उत्पादन

ड्रिप सिंचाई विधि

बूंद-बूंद (ड्रिप) सिंचाई पद्धति के द्वारा जल आवश्यकतानुसार बूंद-बूंद सीधे पौधों की जड़ों में ही दिया जाता है। इस पद्धति में सिंचाई जल के साथ खाद-उर्वरक भी पानी में मिलाकर घोल के रूप में ड्रिप रस द्वारा फर्टीगेशन तरीके से दिया जा सकता है। खाद-उर्वरक से होने वाले नुकसान को रोककर 30-40 प्रतिशत खाद की बचत की जा सकती है।

फिल्म 'भाई तेरा यार है' में लीड रोल निभाएंगे राघव जुयाल

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की शानदार सफलता के बाद राघव अब पहली बार बतौर लीड एक्टर किसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इससे पहले वे 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' और 'किल' फिल्म में काम कर चुके हैं।

इस फिल्म में नजर आएंगे राघव

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, राघव फिल्म 'भाई तेरा यार है' में नजर आएंगे। इस हफ्ते फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हुई है। पहले शूटिंग शेड्यूल को बीच में ही रोकना पड़ा था क्योंकि राघव का पैर टूट गया था। उस वक्त पूरी टीम को लंदन से वापस लौटना पड़ा था। अब राघव पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है। इस फिल्म का निर्देशन विवेक अग्रवाल कर रहे हैं, जो 'आई सी यू' के लिए जाने जाते हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल नजर आए थे। राघव के लिए यह फिल्म खास है क्योंकि इससे पहले किल और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाई थीं, लेकिन 'भाई तेरा यार है' में वह पहली बार लीड रोल में दिखाई देंगे।

राघव की झोली में हैं और भी बड़े प्रोजेक्ट्स

राघव की झोली में और भी बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वे नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में रावण के बड़े बेटे मेघनाद का किरदार निभाते नजर आएंगे। उनका रोल फिल्म के पार्ट 2 में दिखेगा। इसके अलावा, राघव शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का भी हिस्सा हैं। इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। इसमें सुहाना खान, दीपिका पादुकोण और अभिषेक बच्चन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होने वाली है। इसी के साथ राघव 'द पैराडाइज' का भी हिस्सा हैं। इस मल्टीलिंगुअल फिल्म में नानी, कयादू लोहार, मोहन बाबू और सोनाली कुलकर्णी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 21 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

दीपिका पादुकोण नहीं होंगी इंटरनेशनल सीरीज 'द व्हाइट लोटस' का हिस्सा

दीपिका पादुकोण के हाथों से पिछले साल 'कल्कि 2898 एडी' और 'स्पिरिट' जैसी दो बड़ी फिल्में निकल गईं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि उनके हाथ से इंटरनेशनल प्रोजेक्ट भी छिटक गया है। जानिए क्या है इसके पीछे की वजह...

दीपिका पादुकोण लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। इस बीच पिछले काफी वक्त से दीपिका पादुकोण को लेकर चर्चाएं चल रही थीं कि वो एमी अवॉर्ड विनिंग सीरीज 'द व्हाइट लोटस' के चौथे सीजन में नजर आ सकती हैं। लेकिन अब इन खबरों को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। जिससे दीपिका के इस सीरीज का हिस्सा होने न होने के बारे में पता चलता है।

दीपिका नहीं देना चाहती थीं ऑडिशन

वैरायटी इंडिया के अनुसार, दीपिका पादुकोण से इस शो के लिए संपर्क किया गया था और बातचीत भी हुई थी। लेकिन अब ऐसा बताया जा रहा है कि शो के लिए ऑडिशन देना अनिवार्य था। लेकिन दीपिका ऐसा नहीं करना चाहती थीं, इसलिए वो अब सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 'द व्हाइट लोटस' के लिए ऑडिशन कास्टिंग प्रक्रिया का एक अनिवार्य हिस्सा है। निर्माता कलाकारों को साइन करने से पहले उनका ऑडिशन लेना चाहते थे। दीपिका ऑडिशन देने के लिए इच्छुक नहीं थीं। यही कारण था कि उन्हें 'द व्हाइट लोटस' का मौका छोड़ना पड़ा। यह पहली बार नहीं है जब शो ने उनसे संपर्क किया है। बताया जा रहा है कि उनसे पहले तीसरे सीजन के लिए भी संपर्क किया गया था, लेकिन तब उन्होंने प्रेग्नेंसी के कारण ऑफर को ठुकरा दिया था। हालांकि, अभी तक दीपिका पादुकोण या उनकी टीम की ओर से इन खबरों पर कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। लेकिन अगर दीपिका इस सीरीज का हिस्सा बनतीं, तो यह उनका दूसरा इंटरनेशनल प्रोजेक्ट होता। दीपिका ने साल 2017 में आई फिल्म से हॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में दीपिका विन डीजल, डोनी येन, क्रिस वू, रूबी रोज, टोनी जा, नीना डोब्रेव और टोनी कोलेट समेत कई जाने-माने कलाकारों के साथ नजर आई थीं।

फ्रांस में हो सकती है चौथे सीजन की शूटिंग

माइक व्हाइट द्वारा निर्मित, लिखित और निर्देशित 'द व्हाइट लोटस' का प्रीमियर 11 जुलाई 2021 को हुआ था। यह ब्लैक कॉमेडी-ड्रामा एंथोलॉजी है, जिसे काफी पसंद किया गया। पहला सीजन हवाई में फिल्माया गया था, इसके बाद दूसरा सीजन सिसिली में और तीसरा सीजन थाईलैंड में फिल्माया गया। अब आगामी चौथे सीजन की शूटिंग फ्रांस में होने की खबर है।

शाहरुख के साथ 'किंग' में नजर आएंगी दीपिका

दीपिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। हालांकि, इस बीच पिछले साल दीपिका अपनी 8 घंटे काम करने की शिफ्ट वाले बयान को लेकर सुर्खियों में रहीं। वहीं उनकी इसी शर्त के चलते उनके 'कल्की 2898 एडी' के सीक्वल और 'स्पिरिट' जैसी फिल्मों से हटने की खबरें भी सुर्खियों में रहीं। अब दीपिका शाहरुख खान के साथ 'किंग' में नजर आएंगी। यह फिल्म इसी साल क्रिसमस पर 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में एटली द्वारा निर्देशित अल्लू अर्जुन की भी एक फिल्म है। काफी बड़े स्तर पर बनने वाली इस फिल्म का टाइटल अभी तक फाइनल नहीं हुआ है।

अजय देवगन ने 'धमाल 4' से अनिल कपूर को किया बाहर?

अभिनेता अनिल कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सूबेदार' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे पसंद किया जा रहा है। बुंदेलखंडी पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में 69 साल के अनिल कपूर एक्शन करते नजर आएंगे। फिल्म के प्रमोशन के दौरान अनिल कपूर ने आगामी कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' का हिस्सा न होने पर बात की।

'धमाल 4' में न होने पर दी प्रतिक्रिया

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अनिल कपूर ने निर्माता-निर्देशकों के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। इसी दौरान अनिल ने इंद्र कुमार की आगामी फिल्म 'धमाल 4' से खुद के बाहर होने पर प्रतिक्रिया दी। मजाकिया अंदाज में इस पूरे मामले पर बात करते हुए एक्टर ने इंद्र कुमार के साथ हुई अपनी बातचीत की नकल करके दिखाई। अनिल कपूर ने बताया कि मैंने इंद्र कुमार से पूछा, 'ऐ इंदु! क्या हो गया है? तेरी धमाल 4 में लिया नहीं मुझे पिक्चर में? चलो ठीक है कोई बात नहीं। अजय ने मना किया क्या?' तो अपना ये इसी तरह से सबके साथ चलता रहता है।

'धमाल 4' में नजर आएगी ये कास्ट

'धमाल' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म 'टोटल धमाल' में अनिल कपूर भी नजर आए थे। वो इस फिल्म में माधुरी दीक्षित के अपोजिट थे। अब जब फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म 'धमाल 4' बन रही है, तो इसमें फिल्म की प्रमुख कास्ट अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रितेश देशमुख और अजय देवगन शामिल हैं। इसके अलावा फिल्म में संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन जैसे नए चेहरों को भी शामिल किया गया। लेकिन अनिल कपूर इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म के 3 जुलाई को रिलीज होने की संभावना है।

5 मार्च को रिलीज होगी 'सूबेदार'

अनिल कपूर की आगामी फिल्म 'सूबेदार' की बात करें तो यह एक एक्शन फिल्म है। इसमें अनिल कपूर के साथ मोना सिंह, सौरभ शुक्ला, राधिका मदान और फैसल मलिक प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 5 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। सुरेश त्रिवेनी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनिल कपूर सूबेदार अर्जुन मौर्य की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक रिटायर्ड सैनिक हैं। फिल्म में राधिका मदान उनकी बेटी की भूमिका में हैं।

बाफ्टा में हुई ट्रोलिंग पर अब आलिया भट्ट ने दी प्रतिक्रिया

आलिया भट्ट पिछले हफ्ते लंदन में आयोजित हुए 79वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवार्ड्स (बाफ्टा) में शामिल हुई थीं। आलिया इस कार्यक्रम में बतौर प्रेजेंटर पहुंची थीं। इस दौरान आलिया के हिंदी में स्पीच और उनके लुक की काफी चर्चा रही और फैंस ने इसकी जमकर तारीफ भी की। लेकिन आलिया की बाफ्टा में पहुंचने पर उनकी आलोचना भी हुई। कार्यक्रम के बाद की बातचीत में कैमरे के सामने दिए गए उनके बयानों और बॉडी लैंग्वेज को लेकर वो लोगों के निशाने पर आ गईं। अब आलिया ने उनको ट्रोल किए जाने पर प्रतिक्रिया दी है। आलिया भट्ट ने बाफ्टा अवॉर्ड्स के रेड कार्पेट पर खूब सुर्खियां बटोरीं, लेकिन इवेंट के दौरान हुई उनकी बातचीत के एक वीडियो क्लिप को लेकर उन्हें आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। क्लिप में उनसे एक ऐसी फिल्म का नाम बताने को कहा गया था जिसका प्लॉट ट्विस्ट बेहद प्रभावशाली हो। आलिया कुछ पल के लिए हैरान दिखीं और फिर उन्होंने 'गॉन गर्ल' का नाम लिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कई दर्शकों ने सवाल उठाया कि क्या उन्होंने वाकई फिल्म देखी थी? वहीं कई ने उनकी प्रतिक्रिया को अटपटी बताया। तो वहीं कई यूजर्स ने आलिया को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर दबाव में बताया और कहा कि वो खुद की इमेज बनाने की कोशिश कर रही थीं।

आलिया ने आलोचनाओं पर कही ये बात

तमाम आलोचनाओं और ट्रोलिंग के बाद अब आलिया ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। आलिया ने फैशन कमेंटेटर डाइट सब्या से बातचीत के दौरान अपने हाव-भाव और बोलने के तरीके को लेकर मचे बवाल पर कहा कि इस बारे में इतनी चर्चा क्यों हो रही है? क्या यह मेरे हाव-भाव की वजह से है? उन्होंने कहा कि असल में मुझे लगता है कि यह सबसे बेहतरीन ट्विस्ट है। ये 10 साल पहले रिलीज हुआ था, तो मैंने इसे उसके बाद नहीं देखा। इसलिए जब उन्होंने 'वो मोनोलॉग' कहा, तो मैंने कहा हां और मैं अपने दिमाग में सोच रही थी कि अरे हां, 'वो मोनोलॉग, बिल्कुल सही। फिर उन्होंने फर्श साफ करने का जिक्र किया और मैंने कहा 'हां', क्योंकि मैं बिल्कुल अतीत में खो गई थी। मुझे लगता है कि लोगों ने वही देखा। हां, मैं एक कूल लड़की हूं। मैं एक प्यारी लड़की हूं। लेकिन मैं कूल होने से ज्यादा प्यारी हो सकती हूं। हालांकि, बाद में आलिया ने कहा कि असल में, मुझे नहीं लगता कि मैं कूल हूं। मैं अनकूल लड़की हूं, मेरी बहन ऐसा कहती है।

'हीरो नहीं चाहता मैं फिल्म में रहूं', बेबाकी के चलते तापसी को गंवाना पड़ा काम? कहा- मैं सामाजिक नहीं हूं

अपनी हालिया फिल्म 'अस्सी' के लिए तापसी पन्नू को काफी सराहना मिल रही है। तापसी अपने दमदार अभिनय के साथ-साथ अपने बेबाकी और खुलकर जवाब देने के लिए भी जानी जाती हैं। हालांकि, क्या अपनी इस बेबाकी और हाजिरजवाबी के चलते तापसी पन्नू को कई किरदार और फिल्मों से भी हाथ धोना पड़ा? इसको लेकर तापसी ने अब जवाब दिया और बताया कि क्यों कलाकार उनके साथ काम करने से मना कर देते हैं?

लोग मना करते हैं, लेकिन सीधे मुझे पता नहीं चलता

सोनल कालरा के साथ 'द राइट एंगल' शो के दौरान बातचीत में तापसी पन्नू से पूछा गया कि क्या अपनी बेबाकी के चलते आपको नुकसान भी उठाना पड़ता है? क्या कभी काम भी गंवाना पड़ा है? इस पर तापसी ने कहा कि सच कहूं तो मुझे इसके बारे में सीधे तौर पर पता नहीं चला। शायद पता चला हो, लेकिन आप जानते हैं, यह बात सीधे आप तक नहीं पहुंचती। ऐसा होता है कि कोई कहता है, 'नहीं, नहीं, मैं उसके साथ काम नहीं करना चाहता, फलां-फलां कारण से।' फिर, आप जानते हैं, यह बात आप तक पहुंचती ही नहीं, इसलिए आपको इसके बारे में पता नहीं चलता। मुझे जो पता चलता है, वह सिर्फ इतना है कि कभी-कभी हीरो नहीं चाहता कि मैं फिल्म में रहूं। मुझे लगता है कि यह बात सबको पता है, हीरो ही फैसला करते हैं, खासकर हीरो-हीरोइन वाली फिल्मों में। ज्यादातर मामलों में, जब तक कि निर्देशक कोई बड़ा स्टार न हो।

जब निर्देशक स्टार होता है, तो अपने मन की हीरोइन लेता है

हालांकि, तापसी ने अपनी फिल्म 'डंकी' का उदाहरण देते हुए कहा कि जब डायरेक्टर कोई बड़ा स्टार होता है, तो फिर हीरो को भी डायरेक्टर की माननी पड़ती है। क्योंकि जब वे कहते हैं कि उन्हें किसी को लेना है, तो वे उसे लेना ही चाहते हैं। उदाहरण के लिए, जब राजू सर मुझे डंकी में लेना चाहते थे, तो मैं फिल्म में थी। यह सबके लिए एक बड़ा झटका हो सकता है, क्योंकि मैं उन फिल्मों या शाहरुख खान जैसी फिल्मों के आम सर्किट में नहीं हूं। सर की रेगुलर ऑनस्क्रीन जोड़ी। इसलिए यह काफी चौंकाने वाली बात थी, मुझे लगता है कि बहुत से लोगों के लिए यह एक बड़ा झटका था। लेकिन ऐसा इसलिए था क्योंकि निर्देशक को पूरा यकीन था कि वह मुझे ही लेना चाहते हैं।

लोग कहते हैं कि मेरे साथ काम करना मुश्किल है

तापसी ने इस दौरान ये भी माना कि कभी-कभी मैं सुनती हूं कि मेरे साथ काम करना थोड़ा मुश्किल है। मुझे यह समझ में नहीं आता क्योंकि जो कोई भी मेरी फिल्मोग्राफी देखेगा, उसे पता चल जाएगा कि जिन निर्देशकों ने मेरे साथ काम किया है, उन्होंने मुझे बार-बार लिया है। ऐसा किसी ऐसे व्यक्ति के साथ नहीं हो सकता, जिसके साथ काम करना मुश्किल हो। कोई भी अपनी फिल्मों में बार-बार परेशानी नहीं चाहता। निश्चित रूप से वो लोग जिन्होंने मेरे साथ काम नहीं किया है, वो ऐसा कहते हैं क्योंकि शायद वे मुझे नहीं जानते। मैं भी कोई बहुत सामाजिक व्यक्ति नहीं हूं। इसलिए मुझे लगता है कि मैं अपने काम को बोलने देती हूं, जो थोड़ा कठिन रास्ता है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं इस तरह से अधिक समझदार रहती हूं।

सिनेमाघरों में बनी हुई है 'अस्सी'

तापसी पन्नू की हालिया रिलीज फिल्म 'अस्सी' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत में होने वाली दुष्कर्म जैसी गंभीर घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में तापसी के साथ कनी कुश्रुति, जीशान अय्यूब, कुमुद मिश्रा और मनोज पाहवा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके अलावा तापसी की पाइपलाइन में उनकी आगामी फिल्म 'गांधारी' शामिल है।

'खिलाड़ियों को बलि का बकरा न बनाएं'

मोहम्मद आमिर की पीसीबी पर तीखी टिप्पणी, चेयरमैन मोहसिन नकवी को भी दी चेतावनी

कराची (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने हर खिलाड़ी पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपए (16.28 लाख भारतीय रुपए) का जुर्माना लगाया है। इस पर पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने बोर्ड की कड़ी आलोचना की है।

खिलाड़ियों को बलि का बकरा न बनाए

पाकिस्तानी शो 'हासना मना है' में बोलते हुए आमिर ने पीसीबी की आलोचना की और चेयरमैन मोहसिन नकवी को खिलाड़ियों को बलि का बकरा न बनाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सेलेक्टर्स और प्रशासनिक अधिकारियों को भी जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन पर दोगुना जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

- **खिलाड़ियों को बार-बार बलि का बकरा बनाना बंद करो-** आमिर ने कहा, अगर जुर्माना ही समाधान है तो सेलेक्टर्स और प्रशासन पर लगाओ। खिलाड़ियों ने खुद को नहीं चुना। खिलाड़ियों को बार-बार बलि का बकरा बनाना बंद करो। यह असली समाधान नहीं है। आमिर ने यह भी कहा कि अगर पीसीबी कुछ खिलाड़ियों से नाराज है तो उन्हें जुर्माना लगाने की बजाय टीम से बाहर कर देना बेहतर संदेश होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को कम से कम दो साल घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके वापसी का मौका दिया जाना चाहिए। किसी खिलाड़ी के लिए टीम से बाहर होना ही सबसे बड़ी सजा होती है।
- **भारत के मैच के बाद लगा दिया था जुर्माना-** पाकिस्तानी फैंस के साथ बोर्ड अधिकारी भी टीम के प्रदर्शन से बेहद नाराज हैं। भारत के खिलाफ मैच हारने के बाद ही हर पाकिस्तानी खिलाड़ी पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगा दिया गया था। पीसीबी ने कहा कि अगर अच्छे प्रदर्शन पर इनाम मिलता है, तो खराब प्रदर्शन पर सजा भी मिलेगी। भारत से हार के तुरंत बाद टीम को यह फैसला बता दिया गया था।
- **श्रीलंका पर जीत के बावजूद बाहर हुआ पाकिस्तान-** पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज के पहले मैच में नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से जीत दर्ज की। इसके बाद 🇺🇸 को हराया। श्रीलंका की परिस्थितियों और स्पिन गेंदबाजों के दम पर भारत के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन टीम 61 रन से हार गई। पाकिस्तान फिर नामीबिया को आखिरी मैच हराकर सुपर-8 स्टेज में पहुंचा। सुपर-8 स्टेज में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच बारिश में धुल गया। इंग्लैंड ने करीबी मुकाबला हरा दिया। इसके बाद सेमीफाइनल की उम्मीदें दूसरे मैचों के नतीजों पर टिक गईं। श्रीलंका पर करीबी जीत के बावजूद रन रेट खराब रहा।

• **आईसीसी रैंकिंग:** दक्षिण अफ्रीका की दिग्गज को पीछे छोड़ा

स्मृति नंबर-1 बल्लेबाज बनीं

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद टीम इंडिया की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना आईसीसी महिला वनडे बैटिंग रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई हैं।

दुबई से जारी ताजा रैंकिंग में मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ते हुए नंबर-1 की कुर्सी हासिल की। यह उपलब्धि न सिर्फ उनके निरंतर प्रदर्शन का इनाम है, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट की बढ़ती ताकत का भी संकेत देती है।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज में कमाल का प्रदर्शन- स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में 58 और 31 रन की अहम पारियां खेलीं, जिससे उनके रेटिंग पॉइंट 790 तक पहुंच गए। इसके साथ ही उन्होंने वोल्वार्ड्ट (782 अंक) को पीछे छोड़ दिया। हालांकि वोल्वार्ड्ट के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज़ में दोबारा नंबर-1 बनने का मौका होगा, लेकिन फिलहाल ताज मंधाना के सिर पर है।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का दबदबा- ऑस्ट्रेलिया की कप्तान हैली ने अपने आखिरी वनडे में शतक जमाकर चौथा स्थान बरकरार रखा है। वह 744 रेटिंग पॉइंट्स के साथ बेथ मोनी (749) और गार्डनर (724) के बीच हैं। ऑस्ट्रेलिया ने भले ही टी20 सीरीज़ में संघर्ष किया हो, लेकिन वनडे में दमदार वापसी करते हुए तीनों मैच जीते और मल्टी-फॉर्मेट सीरीज़ अपने नाम की।

भारतीय बल्लेबाजों की स्थिति- भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 53, 54 और 25 रन की पारियों की बदौलत चार पायदान की छलांग लगाई और नौवें स्थान पर पहुंचीं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बनी हुई हैं। सीरीज़ हारने के बावजूद हरमनप्रीत का टॉप-10 में लौटना भारतीय टीम के लिए सकारात्मक संकेत है।

गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ा बदलाव- महिला एकदिवसीय बॉलिंग रैंकिंग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर अलाना किंग 775 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 बन गई हैं। उन्होंने लगभग चार साल तक शीर्ष पर रहीं सोफी को पीछे छोड़ दिया। किंग ने सीरीज़ में 16.71 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें तीसरे वनडे में 4/33 का शानदार प्रदर्शन शामिल था।

• **टी20 विश्व कप:** साउथ अफ्रीका का न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार रिकॉर्ड,

कभी नहीं मिली हार

कोलकाता (एजेंसी)। ईडन गार्डन्स में खेले जाने वाले मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले सेमी-फाइनल में बिना हारे साउथ अफ्रीका का सामना न्यूजीलैंड से होगा। प्रोटियाज सुपर 8 स्टेज में शानदार प्रदर्शन के बाद इस मुकाबले में आ रहे हैं, जहां उन्होंने पहले डिफेंडिंग चैंपियन भारत को 76 रन से हराया था। एडेन मार्करम की लीडरशिप वाली टीम ने दो बार की चैंपियन, वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराकर अपनी दूसरी जीत पक्की की। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ करीबी जीत के साथ सुपर 8 कैंपेन का अंत किया।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड का सुपर 8 कैंपेन मिला-जुला रहा जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ उनका पहला मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अपने अगले मैच में अच्छा परफॉर्म किया और 61 रन से जबरदस्त जीत दर्ज की। मिचेल सेंटनर की लीडरशिप वाली टीम को अपने पिछले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा। 3 पॉइंट्स मिलने के बावजूद वे अच्छे नेट रन रेट के साथ अगले राउंड में पहुंच गए।

यह छठी बार होगा जब दोनों टीमें टी20 वर्ल्ड कप में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। साउथ अफ्रीका का न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड रहा है क्योंकि ब्लैककैप्स ने वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका को कभी नहीं हराया है।

भारत में अटके वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के क्रिकेटर्स

- एयरस्पेस बंद होने से बढ़ी समस्या, वर्ल्डकप से बाहर होने के बावजूद होटलों में रुके

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत से हार के बाद जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज की टीमें सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गईं। दोनों टीमों के प्लेयर्स इसके बावजूद अपने देश नहीं लौट पा रहे हैं। ईरान-इजरायल के बीच जंग के कारण वेस्ट एशिया का एयरस्पेस बंद है। जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के प्लेयर्स को अपने देश इसी रूट से जाना है, लेकिन दोनों टीमों के खिलाड़ी फिलहाल भारत के होटलों में ही रुके हुए हैं।

सुरक्षा कारणों से उड़ानें रद्द

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने सोमवार को ऑफिशियल स्टेटमेंट रिलीज कर इस बात की जानकारी दी। बोर्ड ने कहा कि मिडिल ईस्ट देशों में सैन्य गतिविधियों और सुरक्षा खतरों के कारण इंटरनेशनल फ्लाइट रूट्स को डायवर्ट और रद्द करना पड़ा। प्लेयर्स और कोचिंग स्टाफ की सुरक्षा को देखते हुए उनकी यात्रा को टाल दिया गया है। बोर्ड अब ब्रुष्ट और सरकार से मिलकर सुरक्षित वापसी के रास्ते ढूंढ रहा है। सोमवार को निकलने वाले थे जिम्बाब्वे के प्लेयर्स जिम्बाब्वे ने रविवार को अपना आखिरी मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला। टीम के कुछ प्लेयर्स सोमवार सुबह 4.30 बजे रवाना होने वाले थे, वहीं बाकी दिन में जाने वाले थे। टीम की फ्लाइट दिल्ली से दुबई और दुबई से हरारे के लिए बुक थी, लेकिन दुबई में एयरस्पेस बंद होने के कारण प्लेयर्स को भारत में ही रुकना पड़ा।

अभी होटलों में सुरक्षित हैं टीमें

फिलहाल पूरी वेस्टइंडीज टीम कोलकाता के होटल में रुकी हुई है। वहीं जिम्बाब्वे की टीम 4 मार्च तक दिल्ली के होटल में ही रहेगी। आईसीसी दोनों देशों के बोर्ड के साथ मिलकर प्लेयर्स को सुरक्षित घर लौटाने के बारे में प्लान कर रहा है।

शिवम दुबे जैसा गेम-चेंजर

• गावस्कर ने विल जैक्स को बताया भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया को इंग्लैंड के इन-फॉर्म ऑलराउंडर विल जैक्स से सावधान रहने की सलाह दी है। गावस्कर का मानना है कि 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले भारत-इंग्लैंड मुकाबले में जैक्स 'शिवम दुबे जैसा प्रभाव' छोड़ सकते हैं।

'अगर टर्न मिला तो खतरनाक साबित होंगे'

गावस्कर ने कहा कि अगर पिच से थोड़ी भी स्पिन मिली तो विल जैक्स भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। उन्होंने खास तौर पर संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या को जिम्मेदारी लेने की सलाह दी।

अगर थोड़ी भी टर्न हुई तो वह बेहद खतरनाक हो सकते हैं। संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या उन्हें कैसे खेलते हैं, यह अहम होगा। वह शानदार फॉर्म में हैं। नंबर 7 पर ऐसा खिलाड़ी होना बड़ा प्लस है – ठीक वैसे ही जैसे दूसरे दिन शिवम दुबे भारत के लिए थे, गावस्कर ने कहा।

चार 'प्लेयर ऑफ द मैच', हरखेल में असर

विल जैक्स इस टूर्नामेंट में अब तक चार बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीत चुके हैं। उन्होंने कई मौकों पर टीम को मुश्किल से बाहर निकाला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाकर मैच फिनिश किया। श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर वाले मुकाबले में पहले तेज कैमियो खेला, फिर 3 अहम विकेट लेकर रन चेज रोक दिया। पावरप्ले में ऑफस्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं, जो भारत के टॉप ऑर्डर के लिए चुनौती बन सकती है।

अजय शर्मा की कोचिंग में जम्मू-कश्मीर कैसे बना रणजी विजेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में अजय शर्मा का नाम ऐसे खिलाड़ी के रूप में दर्ज था, जिसका शानदार करियर मैच फिक्सिंग के प्रतिबंध और अदालती लड़ाइयों की भेंट चढ़ गया। बरसों तक क्रिकेट की मुख्यधारा से बाहर रहने के बाद, शर्मा ने कोच के रूप में एक ऐसी पटकथा लिखी, जो किसी बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर से कम नहीं है। जम्मू-कश्मीर की रणजी ट्रॉफी की ऐतिहासिक खिताबी जीत 61 वर्षीय अजय शर्मा के लिए केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उनके जीवन का 'चक दे इंडिया' मोमेंट है।

फाइनल से पहले शर्मा ने टीम को फिल्म शोले का उदाहरण देते पूछा कि जय कौन बनेगा? वीरू कौन होगा? और गब्बर जैसा प्रहार कौन करेगा? उस फिल्म में एक नहीं कई हीरो थे। शर्मा कहते हैं- टीम के हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका चुनी और मैदान पर उसे जीकर दिखाया। अंत में वे सभी हीरो बन गए। जम्मू-कश्मीर ने एक-एक कर पूर्व चैम्पियनों को हराया।

टेंनिस स्टारपीवी सिंधु सुरक्षित भारत लौटीं

- ईरान के हमले के दौरान दुबई में फंसी थीं, ऑल इंग्लैंड ओपन खेलने बर्मिंघम जा रही थीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु सुरक्षित भारत लौट आई हैं। सिंधु ईरान के ड्रोन अटैक के बीच दो दिन पहले दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंस गई थीं। वे ऑल इंग्लैंड ओपन खेलने के लिए बर्मिंघम जा रही थीं। दुबई से सिंधु की कनेक्टिंग फ्लाइट थी। 30 साल की सिंधु ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वीडियो पोस्ट कर वहां के हालत बताए थे। उन्होंने दिखाया कि कैसे बड़ी संख्या में यात्री एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। उनमें डर का माहौल है। यह स्थिति मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और संघर्ष के कारण उत्पन्न हुई थी, जिससे दुबई के हवाई मार्ग पर व्यापक फ्लाइट रद्द किए गए थे और यात्रियों की यात्रा में भारी रुकावटें आई थीं।

सिंधु ने लौटने की जानकारी दी

सिंधु ने ट्वीट किया कि पिछले कुछ दिन उनके लिए बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे, लेकिन अब वे बेंगलुरु में सुरक्षित हैं और भारत लौटने पर उन्हें बड़ी राहत महसूस हो रही है। उन्होंने दुबई एयरपोर्ट अधिकारियों, भारतीय उच्चायोग तथा स्थानीय सहायता कर्मियों का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस कठिन समय में उनकी मदद की।

सिंधु ने ऑल इंग्लैंड ओपन से नाम वापस लिया- ऑल इंग्लैंड ओपन आज से शुरू होना है। सिंधु ऑल इंग्लैंड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। वे दुबई से भारत लौट आई हैं। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी संजय मिश्रा ने इस बात की पुष्टि की है कि पीवी सिंधु ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में नहीं खेलेंगी।

• कल आईसीसी टूर्नामेंट में पांचवीं बार होगा भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल मैच

अब तक मुकाबला 2-2 से बराबर

- 1983 और 2024 में अंग्रेजों को हराया, चैंपियन भी बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड आईसीसी टूर्नामेंट में पांचवीं बार सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। अब तक खेले गए 4 मुकाबलों में दोनों टीमें 2-2 जीत के साथ बराबरी पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने इंग्लैंड को जब भी सेमीफाइनल में हराया, देश तब खिताब जीतने में भी कामयाब रहा।

भारत-इंग्लैंड पहला सेमीफाइनल 1983 वनडे वर्ल्ड कप में हुआ था। तब भारत ने अंग्रेजों को हराया और फिर फाइनल में वेस्टइंडीज को मात देकर टीम चैंपियन बनी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में आखिरी बार 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में भिड़ीं। तब भी भारत ने इंग्लैंड को हराया और फिर फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब जीता। 1987 वनडे वर्ल्ड कप और 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में भी भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल हुआ था। इन दो मौकों पर इंग्लैंड ने जीत हासिल की।

- **1983-जब 'अंडरडॉग' भारत ने इंग्लैंड का घमंड तोड़ा-** 1983 के सेमीफाइनल में भारत ने मेजबान इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में मुकाबले से पहले इंग्लिश मीडिया और एक्सपर्ट्स ने भारत की हार लगभग तय मान ली थी। टॉस हारने के बावजूद कप्तान कपिल देव ने धीमी पिच को भांप लिया। इंग्लैंड की पूरी टीम 60 ओवर में 213 रन पर सिमट गई। कपिल देव ने 3 विकेट लिए, जबकि मोहिंदर अमरनाथ ने 12 ओवर में सिर्फ 27 रन देकर 2 विकेट चटकाए।
- 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही। 50 रन पर 2 विकेट गिर चुके थे। इसके बाद अमरनाथ (46 रन) और यशपाल शर्मा (61 रन) ने 92 रन की साझेदारी कर पारी को स्थिरता दी। यशपाल का बॉब विलिस पर जड़ा गया लेग-साइड छक्का आज भी मशहूर है। जब भारत जीत के करीब था, तब संदीप पाटिल ने मुकाबले को यादगार बना दिया। उन्होंने बॉब विलिस के एक ओवर में 4 चौके जड़ते हुए इंग्लैंड की उम्मीदें तोड़ दीं। पाटिल ने 32 गेंदों में नाबाद 51 रन की तेज पारी खेली। इस जीत ने भारत को वह आत्मविश्वास दिया, जिसके दम पर टीम ने लॉर्ड्स में फाइनल खेला और आगे चलकर दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार वर्ल्ड कप भी अपने नाम किया।
- **1987- गूच की 'स्वीप' मास्टरक्लास ने 83 का बदला लिया-** 1987 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड ने भारत को 35 रन से हराकर 1983 की हार का हिसाब बराबर कर दिया। घरेलू मैदान पर खिताब जीतने का भारतीय सपना यहीं टूट गया। इस मैच की सबसे बड़ी कहानी थे ग्राहम गूच। स्पिन के लिए मशहूर पिच पर उन्होंने भारतीय स्पिनर्स मनिंदर सिंह और रवि शास्त्री के खिलाफ स्वीप शॉट की बौछार कर दी। गूच ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए और 136 गेंदों पर 115 रन बनाए। तीसरे विकेट के लिए उन्होंने माइक गेटिंग के साथ 117 रन की अहम साझेदारी की। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 254 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। यह मुकाबला सुनील गावस्कर के वनडे करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ। वे सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। 255 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 64 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय पारी लड़खड़ा गई। भारत ने आखिरी 5 विकेट महज 15 रन के भीतर गंवा दिए और 45.3 ओवर में 219 रन पर सिमट गया। दिलचस्प संयोग यह रहा कि 1983 में भारत ने इंग्लैंड को उसके घर में हराया था।

पूर्व विधायक की छवि धूमिल करने के खिलाफ लोधी समाज का हल्लाबोल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पूर्व संसदीय सचिव और पूर्व विधायक के खिलाफ भ्रामक खबरें प्रकाशित कर उनकी छवि खराब करने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। इस घटना से आक्रोशित जिला लोधी समाज ने एकजुट होकर मोर्चा खोल दिया है। समाज के पदाधिकारियों ने पिछले दिनों खैरागढ़ पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सात दिनों के भीतर दोषियों पर कड़ी कारर्वाई की मांग की है।

भ्रामक खबरों से समाज में उबाल

लोधी समाज का आरोप है कि एक राज्य स्तरीय समाचार पत्र ने दुर्भावना से ग्रसित होकर पूर्व विधायक के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक, निराधार और भ्रामक खबरें प्रकाशित की हैं। समाज के प्रतिनिधियों के अनुसार, बिना किसी ठोस आधार और फर्जी एफआईआर का सहारा लेकर एक प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधि के चरित्र हनन का प्रयास किया गया है। समाज के जिलाध्यक्ष उत्तम जंघेल की अगुवाई में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और पदाधिकारी पहले लोधी समाज भवन लारान में इकट्ठा हुए, जहाँ से उन्होंने पैदल मार्च करते हुए एसपी कार्यालय तक दस्तक दी।

ज्ञापन के माध्यम से समाज ने प्रशासन और पुलिस कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं: बिना साक्ष्य कारर्वाई: क्या पुलिस ने बिना किसी औपचारिक शिकायत या पुख्ता साक्ष्यों के केवल राजनीतिक प्रभाव में आकर कारर्वाई की? मीडिया का गैर-जिम्मेदाराना रवैया: समाचार पत्रों ने बिना तथ्यों की पुष्टि किए सनसनीखेज खबरें कैसे प्रकाशित कीं? क्या इस संबंध में आईटी एक्ट के तहत कारर्वाई की जाएगी? न्यायालय की गाइडलाइन: समाज ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण में गिरफ्तारी और मीडिया में समाचार का लगातार प्रकाशन से उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का खुला उल्लंघन हुआ है। "अगर सात दिनों के भीतर भ्रामक खबरें फैलाने वालों और इस षड्यंत्र में शामिल व्यक्तियों पर कड़ी धाराओं में मामला दर्ज नहीं किया गया, तो पूरा लोधी समाज सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होगा।" - प्रतिनिधि, लोधी समाज

एसपी और कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

एसपी ने दिया आश्वासन

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने समाज के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया है कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कारर्वाई सुनिश्चित की जाएगी।

लोकतंत्र और मीडिया की साख पर प्रश्नचिह्न

अविभाजित राजनांदगांव, खैरागढ़ और मानपुर क्षेत्र में यह पहला मौका है जब किसी समाज ने भ्रामक समाचारों के खिलाफ खुलेआम जंग का ऐलान किया है। यह मामला अब केवल एक व्यक्ति की छवि का नहीं, बल्कि प्रेस की विश्वसनीयता और प्रशासनिक पारदशिर्ता का बन गया है। जनता अब शासन से मांग कर रही है कि पूरी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

कैश लेस उपचार के लिए चिकित्सालयों की कराएं ऑनबोर्डिंग, नॉन इम्पैनल्ड बैंकों से खाते हटाएं- कलेक्टर सिंह

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा के साथ शासकीय योजनाओं और निर्माण कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन के वित्त विभाग द्वारा इम्पैनल्ड बैंकों में ही विभाग बैंक खाते का संचालन करे। नॉन इम्पैनल्ड बैंक विशेषकर आईडीएफसी, बंधन बैंक और उत्कर्ष बैंक से विभाग अपने बैंक खाते इम्पैनल्ड बैंक में ट्रांसफर करा ले। उक्त बैंकों में खाते रहने पर शासकीय राशि लैप्स होने पर संबंधित विभाग जिम्मेदार होंगे।

कलेक्टर ने अवगत कराया कि विगत दिवस भी डीएलसीसी की बैठक में बैंकर्स द्वारा अवगत कराया गया है कि निष्क्रिय खातों को एक्टिव कर राशि संबंधित विभागों को लौटाई गई है। अधिकारी अपने विभागीय खाते की जांच कर इसकी पुष्टि प्रतिवेदन कलेक्टर को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा शासकीय सेवकों को कैसलेस उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने सीएमएचओ को कैसलेस उपचार हेतु चिकित्सालयों को ऑन बोर्डिंग कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधी अविवादित नामांतरण बटवारा पंजीयन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिले के सभी पंचायतों में फरवरी माह के अंत तक एक-एक पंजीयन के निर्देश दिए गए थे। जिन पंचायतों में अभी तक पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हुआ है, जनपद सीईओ संबंधित ग्राम पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस देना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को कार्यालयों में ई-ऑफिस के माध्यम से फाईल मूवमेंट और बायोमैट्रिक अटेंडेन्स पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देने कहा।

कलेक्टर ने अवगत कराया कि आगामी 9 तारीख को ग्राम कोनारी में रेल्वे परियोजना के संबंध में बैठक आयोजित की गई है। उक्त बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारी आवश्यक जानकारी के साथ उपस्थित रहें। साथ ही किसी भी प्रकार की विभागीय डाउट से एसडीएम दुर्ग को बैठक के पूर्व अवगत कराना सुनिश्चित करें। बैठक में स्वामित्व योजना, गृह निर्माण मंडल को आवास निर्माण हेतु जमीन आबंटन, अनुसुचित जाति विकास प्राधिकरण के अंतर्गत निर्माण कार्य, स्कूली बच्चों का आधार अपडेशन, और खादानों का सीमांकन व सूचना फलक लगाने, वयवंदन और सिकलिंग चिन्हांकन, आयुष्मान योजना आदि की भी समीक्षा की गई। बैठक में वनमंडलाधिकारी दीपेश कपिल, एडीएम वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती सिल्ली थॉमस सहित सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छता सुधार के लिए अनोखी पहल, शिकायत पर होगी सख्त कार्रवाई

टोल प्लाजा के गंदे टॉयलेट की फोटो भेजें, मिलेंगे 1000 रुपये ईनाम

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

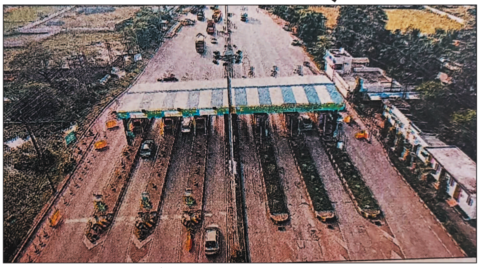

राष्ट्रीय राजमार्गो पर यात्रा करने वाले यात्रियों को अब टोल प्लाजा के टॉयलेट उपयोग करने पर यदि गंदे टॉयलेट पाये जाने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने पर 1000 रुपये का इनाम दिया जाएगा। यह पहल स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने और टोल प्लाजा संचालकों की जवाबदेही तय करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

बताया जा रहा है कि प्रदेश भर में संचालित 24 टोल प्लाजा में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत यदि किसी टोल प्लाजा के शौचालय में गंदगी पाई जाती है, तो यात्री उसकी स्पष्ट फोटो लेकर संबंधित ऐप या पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को 1000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

अधिकारियों के अनुसार, टोल प्लाजा संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। यदि शिकायत सत्य पाई जाती है, तो संबंधित एजेंसी पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए टोल प्लाजा परिसर में पुरुष और महिला शौचालय, पेयजल एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराना अनिवार्य है। अधिकतर यह भी पाया जाता हैं कि टॉयलेट होने का बोर्ड या एरो निशान का दृश्य पटल भी नही बनाया जाता है।

कैसे करें शिकायत?

यात्रा के दौरान यदि टोल प्लाजा का शौचालय गंदा मिले तो उसकी फोटो खींचकर संबंधित मोबाइल एप्लीकेशन या हेल्पलाइन के माध्यम से अपलोड करें। शिकायत में टोल प्लाजा का नाम, स्थान, तारीख और समय स्पष्ट रूप से दर्ज करना आवश्यक होगा। जांच के बाद शिकायत सही पाए जाने पर 1000 रुपये की राशि सीधे शिकायतकर्ता को प्रदान की जाएगी।

उपभोक्ता जागरण मंच के अध्यक्ष श्रेणिक डाकलिया ने टॉलप्लाजा में उपलब्ध सुविधाएं का निशुल्क लाभ लेने की अपील की हैं।

इस पहल से उम्मीद की जा रही है कि टोल प्लाजा में स्वच्छता व्यवस्था में सुधार होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। अधिकारियों का कहना है कि स्वच्छता को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ब्रह्माकुमारीज "आनंद सरोवर " बघेरा दुर्ग में होली पर्व मनाया

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

होली पर्व के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के बघेरा स्थित आनंद सरोवर के "कमला दीदी सभागार" में होली पर्व अत्यंत हर्षोल्लास से मनाया गया जिसमें ब्रह्माकुमारी हिमांशु बहन इन्दौर अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत परमात्म स्मृति के साथ हुआ तत्पश्चात बेबी परिधी, सान्वि, किया, दिव्यांका द्वारा होली के गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर बघेरा, केलाबाड़ी, आर्य नगर, सिंधिया नगर, चंदखुरी व भिन्न भिन्न स्थानों के ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र के अनेक भाई-बहनें उपस्थित हुए।

होली पर्व की आध्यात्मिक रहस्य को बताते हुए ब्रह्माकुमारी दुर्ग जिले की संचालिका रीटा बहन ने कहा होली की विशेषता है जलाना, फिर मनाना और फिर मंगल मिलन करना। होली अर्थात पवित्र बनने के लिए पहले पुराने संस्कार, पुरानी स्मृतियाँ सभी को परमात्म याद के अग्नि में जलायेंगे तभी परमात्मा के संग का रंग लगेगा और विश्व की सर्व आत्मायें प्रभु परिवार बन जायेगा। होली का अर्थ यह भी है - हो- ली। जो बात बीत गयी उसका चिंतन न करना। ऐसी बातें जो मन को अशांत व दुःखी करने वाली उस बात को फुल स्टाप अर्थात बिन्दी लगाना है।

कार्यक्रम में मंच संचालन ब्रह्माकुमारी चैतन्य बहन ने किया साथ ही सभी नगर व प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं दी।

सेवानिवृत्त पर भावभीनी विदाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला पंचायत दुर्ग के सभा कक्ष में सहायक ग्रेड-02 नरेन्द्र कुमार देशमुख के सेवानिवृत्ति उपरांत गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने की।

समारोह में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती श्रद्धा साहू, श्रीमती नीलम चंद्राकर, उपसंचालक पंचायत आकाश सोनी, लेखा अधिकारी कुलदीप देवांगन सहित अन्य अधिकारी एवं कमर्चारी उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने श्री देशमुख के दीर्घ, समर्पित एवं निष्पक्ष सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके योगदान को याद किया। नरेन्द्र कुमार देशमुख की प्रथम नियुक्ति 08 दिसंबर 1989 को टायपिस्ट के पद पर हुई थी। नियमितीकरण के उपरांत 04 जून 1999 से वे सहायक ग्रेड-02 के पद पर कार्यरत रहे। उन्होंने लगभग 37 वर्ष 02 माह 19 दिन की उल्लेखनीय सेवा प्रदान की। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने सामान्य प्रशासन, कृषि समिति, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना, मुख्यमंत्री जनपद पंचायत सशक्तिकरण योजना, ग्रामीण सचिवालय, पेंशन योजना, 12वें से 15वें वित्त आयोग, डीएमएफ तथा स्थापना (डीआरडीए/जिला पंचायत) जैसी महत्वपूर्ण शाखाओं में दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। समारोह के अंत में उपस्थित अधिकारियों एवं कमर्चारियों ने श्री देशमुख के स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

पूरी निष्ठा, समर्पण के साथ जनता की आवाज को बुलंद करो : भूपेश बघेल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के नवनियुक्त पदाधिकारीगणों ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में राष्ट्रीय महासचिव, पंजाब कांग्रेस प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सौजन्य भेंट कर नवीन दायित्व के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सभी ब्लॉक अध्यक्ष गण विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर आत्मीय वातावरण में आयोजित भेंट मुलाकात के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन से मुंह मीठा कराते हुए उन्हें नवीन जिम्मेदारियों के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस पार्टी की असली ताकत है। उन्होंने कहा कि दुर्ग (ग्रामीण) जिला कांग्रेस की नई टीम से उन्हें काफी अपेक्षाएं हैं और विश्वास है कि यह टीम पूरी निष्ठा, समर्पण और जुझारूपन के साथ जनता की आवाज को बुलंद करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि वतर्मान राजनीतिक परिस्थितियों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। हमें किसानों, मजदूरों, युवाओं और महिलाओं के मुद्दों को मजबूती से उठाना है तथा जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करना है।

श्री बघेल ने संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने और जनसंपर्क अभियान को गति देने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस की विचारधारा और जनहितैषी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाना ही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

इस दौरान श्री बघेल ने उपस्थित पदाधिकारीगण एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगामी होली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं और आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का मार्गदर्शन प्राप्त करने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सभी को सौंपी है उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुर्ग (ग्रामीण) जिला कांग्रेस की नई टीम गांव-गांव और बूथ-बूथ तक संगठन को मजबूत करने के लिए व्यापक अभियान चलाएगी। किसानों, युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए जिला कांग्रेस कमेटी सदैव अग्रिम पंक्ति में खड़ी रहेगी।

श्री ठाकुर ने यह भी कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में प्रदेश में जो जनकल्याणकारी कार्य हुए, उन्हें जनता तक पहुंचाना और वतर्मान सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करना जिला कांग्रेस की प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन में दुर्ग (ग्रामीण) जिला कांग्रेस एक सशक्त और सक्रिय संगठन के रूप में कार्य करते हुए आगामी राजनीतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना करेगी।

इस दौरान विक्रांत अग्रवाल, विशाल देशमुख, महेंद्र वर्मा, उवर्शी वर्मा, जयश्री वर्मा, तरूण बिजौर, प्रमोद राजपूत, राजेंश्वर सोनकर, रोहित कुर्रे, शमशीर कुरेंशी, संतलाल बंजारे, विशाल देशमुख, हीरा वर्मा, निरंजन राजपूत, टिकेशरी देशमुख, हरीश ठाकुर, राजीव गुप्ता, पुरूषोत्तम तिवारी, जयश्री वर्मा, लक्ष्मी साहू, रामशंकर शुक्ला, टनेन्द्र ठाकरे, ज्वाला प्रसाद साहू, जवाहर यादव, रूपेश देशमुख, कुष्णा देवांगन, योगिता चंद्राकर, जामवंत गजपाल, प्रदीप चंद्राकर, प्रकाश ठाकुर, भुवन साहू, रविप्रकाश ताम्रकार, रामचंद्र वंशी, पालेश्वर ठाकुर, डूलेशवर साहू, पवन पटेल, धर्मेंद्र साहू, ओमनारायण वर्मा, सुमित नारंग नरायण निषाद, घनश्याम गजपाल, रोहित यादव, अभिशेक जांगडे, सुमन वर्मा, महेंद्र निषाद, मुकून्द पार्कर, पिलेशवर साहू, राजेश मानिकपुरी, राजेश साहू, हिम्मत लाल ढिमर, जागेत्री साहू, कल्याण साहू, संगीता ठाकुर, उत्तरा कोसरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।